A Daily News Magazine
इंदौर
बुधवार, 15 जनवरी, 2025

# सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 106, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2
(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews


प्रसंगवश

## मरती हुई भाषाओं को बचाने गंभीर सामूहिक प्रयासों की जरूरत

**उमेश चतुर्वेदी**

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल 1 हजार ईस्वी तक दुनियाभर में 9 हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होती जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज से दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होती जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी भी मरने की कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं।

**(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)**

### सुप्रभात

पहले उलझन पाने की है
फिर उसको खोने के डर की।
जैसे जीने के उत्सव में
बातें मरने के अवसर की।
मिट्टी के गुल्लक से तन में
कितने सिक्के खरे-खरे हैं
ये गिनती ही तय करती है
भीतर कितने भरे-भरे हैं
ये भारी पन कम करता है
चिंताएं सारी अंतर की।
बाहर-भीतर की हलचल से
हम बेचैन रहें क्यों हरदम
दुख को समझें पर्वत सा क्यों
सुख को दुख से आँकें क्यों कम
कोंपल भी तब आती है
जब जाती है बारी पतझर की।

– सोनरूपा विशाल



## अद्‌भुत, अविश्वसनीय और अकल्पनीय

- मकर संक्रांति पर प्रयागराज में उमड़ा भक्तों का सैलाब
- अमृत स्नान के साथ गूंज रहे हर-हर महादेव के जयकारे
- दो करोड़ से भी ज्यादा लोगों ने लगाई संगम पर डुबकी



### सबसे पहले पहुंचा किन्नर अखाड़ा, बरसाए गए फूल

**प्रयागराज (एजेंसी)।** हाथों में तलवार-त्रिशूल और डमरू लिए संन्यासी। पूरे शरीर पर भभूत। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का उद्घोष। यह सीन है संगम के घाटों का, जहां महाकुंभ का पहला अमृत (शाही) स्नान मंगलवार सुबह 6.15 बजे से शुरू हुआ। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। हालात संभालने के लिए आर्मी को भी स्टैंड बाई पर रखा गया है। जूना अखाड़े समेत 7 संन्यासी अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। अब वैरागी अखाड़ों के संत संगम में स्नान करने के लिए निकले हैं। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। संगम जाने वाले सभी रास्तों में 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ है। स्नान के लिए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 30-40 मिनट का समय दिया गया है। दुनियाभर का मीडिया और 50 से ज्यादा देशों के श्रद्धालु संगम पर मौजूद हैं। सीएम योगी के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा- साल 2019 का कुंभ प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी की व्यवस्थाओं के आधार पर बहुत अच्छा हुआ था।



### 21 श्रृंगार कर 5000 नागा संन्यासियों ने किया अमृत स्नान

#### पूरे शरीर पर भभूत, हाथ में डमरू-त्रिशूल लेकर दौड़े; संगम में लगाई डुबकी

**प्रयागराज (एजेंसी)।** पूरे शरीर पर भभूत, आंखों में सूरमा, हाथों में चिमटा, डमरू, त्रिशूल और कमंडल लेकर हर-हर महादेव का उद्‌घोष करते हुए नागा संन्यासी संगम पहुंचे। करीब 5 हजार नागा संन्यासी दौड़ते हुए संगम में कूदे और अमृत स्नान किया। स्नान से पहले नागा सन्यासियों ने अपने ईष्ट महादेव स्वरूप में तन और मन रूपी 21 तरह के श्रृंगार किए। फिर भगवान गणेश की पूजा की और स्नान के लिए निकले। सबसे पहले नागा संन्यासियों ने पूरे शरीर पर भस्म लगाई। इसके बाद चंदन लगाया। पैर में चांदी के कड़े, जटा को 5 बार घुमाकर सिर में लपेटा। रोली का लेप, अंगूठी, फूलों की माला, माथे पर तिलक, आंखों में सूरमा, लंगोट, हाथों और पैरों में कड़ा और गले में रुद्राक्ष की माला धारण की।

## महाकुंभ में यति के कैंप से पकड़ा गया अयूब

### आयुष नाम बताकर अंदर पहुंचा था, अखाड़े के संतों ने ही दबोचा

**प्रयागराज (एजेंसी)।** जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी के महाकुंभ में कैंप के बाहर से पुलिस ने अयूब नाम के संदिग्ध युवक को पकड़ा है। दावा किया जा रहा है कि वह आयुष नाम बताकर अंदर पहुंचा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मंगलवार तड़के यति नरसिंहानंद गिरी



के कमरे के बाहर अखाड़े के संतों ने शक के आधार पर युवक को पकड़ा। पहले वह यति से मिलने के लिए आने की बात कही। अपना नाम आयुष बताया। शक होने पर पुलिस सूचना दी गई। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसका असली नाम अयूब निकला। उधर, महाकुंभ से यति का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- भारत में मुसलमानों की वजह से हिंदू आबादी को खतरा हो रहा है। एटा का अयूब बोला- यहां घूमने आया था, किसी ने भेजा नहीं।

- **पीएम मोदी बोले**-10 सालों में साइक्लोन से जनहानि जीरो, पहले हजारों जानों को नियति कहकर टाल देते थे

## आज वॉट्सएप पर भी अपडेट मिलता है मौसम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को भारतीय मंडपम में आयोजित भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने यहां 25 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने आईएमडी के विकास, उसके महत्व और चुनौतियों के बारे में बात की। पीएम ने कहा- आज मौसम से जुड़ी सारी अपडेट वॉट्सएप पर मिल जाती है। पिछले 10 सालों में कई साइक्लोन आए, लेकिन हमने जनहानि को जीरो या सबसे कम करके दिखाया। पिछली सरकारों में जब ऐसी प्राकृतिक आपदाओं में हजारों जानें जाती थीं तो उसे नियति कहकर टाल दिया जाता था।

**भविष्य में भारत मौसम की हर परिस्थिति के लिए तैयार** –मौसम विज्ञान को भारत की स्पेस टेक्नोलॉजी और डिजिटल टेक्नोलॉजी का फायदा मिल रहा है। आज देश के पास अंटार्कटिका में मैत्रेयी और भारती नाम के दो मेट्रोलॉजिकल ऑब्जर्वेटरी हैं। पिछले साल अर्थ और अरुणिका नाम के सुपर कंप्यूटर शुरू किए गए हैं।

### रिसर्च-इनोवेशन नए भारत के टेंपरामेंट का हिस्सा

किसी भी देश के वैज्ञानिक संस्थानों की प्रगति साइंस के प्रति उसकी जागरुकता को दिखाती है। वैज्ञानिक संस्थाओं में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के टेंपरामेंट का हिस्सा है। इसलिए पिछले 10 सालों में एनजीओ के इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में विस्तार हुआ है। ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन, रनवे वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम, डिस्ट्रिक्ट वाइज रेनफॉल मॉनिटराइजेशन ऐसे अनेक आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जोड़े गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट के कामतानाथ मंदिर में पूजा अर्चना की

## अयोध्या की तरह होगा चित्रकूट धाम का विकासः मुख्यमंत्री

### प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्थाएं देखने भेजा गया मध्यप्रदेश का अधिकारी दल

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चित्रकूट धाम का विकास अयोध्या की तरह ही जाएगा। उत्तर प्रदेश के

- **आधुनिक तकनीक का लाभ लेते हुए शासन के प्रबंध सुशासन में बदले जाएं**

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत अच्छे प्रबंध किए हैं। इसके परिणाम भी दिख रहे हैं। प्रयागराज के महाकुंभ की व्यवस्थाओं से बड़े मेलों के लिए आवश्यक प्रबंधन सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना जिले के साथ पवित्र चित्रकूट धाम के विकास को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास कार्यों के प्रस्ताव और अनेक सुझाव मिले हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर चित्रकूट धाम में भगवान श्रीराम के ऐतिहासिक काल को जोड़ते हुए, यहां के वैभव को स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट में विकास संबंधी बैठक के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि विकास के कई प्रस्तावों पर केन्द्रित एक कार्य योजना भी तैयार की जा रही है। बैठक में प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर चित्रकूट की महिमा, पुराना वैभव एवं गौरव को दृष्टिगत रखते हुए विकास के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री, सांसद, विधायक आदि जन-प्रतिनिधि बैठक में शामिल रहे। जन-प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं।

### चित्रकूट विकास प्राधिकरण गतिशील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट विकास प्राधिकरण से चित्रकूट का तीव्र गति से विकास हो सकेगा। सभी योजनाओं का लाभ सभी को मिले और चित्रकूट की ख्याति भव्य रूप में बने इस पर गंभीर रूप से विचार-विमर्श किया गया है।

### महाकुंभ का प्रबंधन सीखने गया अधिकारियों का दल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज के महाकुंभ में व्यवस्थाओं के अध्ययन के लिए मध्यप्रदेश के अधिकारी भेजे हैं। इसके बाद वर्ष-2028 में उज्जैन में सिंहस्थ होने जा रहा है। अलग-अलग खगोलीय घटनाएं होती हैं जिनके के आधार पर इनका नाम महाकुंभ और सिंहस्थ नाम होता है। ये विश्व के सबसे बड़े मेले हैं। हम उम्मीद करेंगे कि इन मेलों से हमारे प्रबंध बड़े से बड़े स्थान में की गई व्यवस्था सुव्यवस्था में बदले और छोटे स्थानों और धार्मिक मेलों में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं कैसे दे सकते हैं, इसके लिए क्रियान्वयन का रास्ता तैयार होता है। यह चित्रकूट में लघु रूप में ही क्यों न हो, यह प्रबंधन से सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रयास है आधुनिक तकनीक का लाभ लेते हुए बेहतर प्रबंधन से शासन, सुशासन में बदलें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कामना की कि प्रयागराज कुंभ सभी के लिए फलदायी हो। विशेष रूप से सनातन धर्म में प्रत्येक 12 साल में अलग-अलग स्थानों पर वैचारिक अनुष्ठान का जो यह महा आयोजन होता है, हमारी धार्मिक दृष्टि से भी उसका विशेष महत्व है।

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार,15 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

# लैंडमाइन ब्लास्ट,6 जवान घायल

### घुसपैठ रोकने के लिए लगाई थीं बारूदी सुरंगें,पेट्रोलिंग के दौरान गलती से सैनिक का पैर पड़ा

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के राजौरी में मंगलवार को एलओसी के पास लैंडमाइन ब्लास्ट में गोरखा राइफल्स के 6 जवान घायल हो गए। ब्लास्ट भवानी सेक्टर के मकरी इलाके में हुआ। हादसा सुबह 10.45 बजे हुआ। जवानों की एक टुकड़ी खंबा किले के पास पेट्रोलिंग कर रही थी। उसी दौरान एक जवान का पैर गलती से सेना की बिछाई लैंड माइन पर पड़ गया। सभी घायलों को इलाज के लिए 150 जनरल



अस्पताल राजौरी ले जाया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जवानों को मामूली चोटें आई हैं। घुसपैठ रोकने के लिए लैंडमाइन बिछाई गई थी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, एलओसी के पास घुसपैठ रोकने के लिए ये लैंडमाइन बिछाई गई थीं। अधिकारियों के मुताबिक, ये लैंडमाइंस कभी-कभी बहकर जगह से हट जाती हैं इसलिए ऐसे हादसे होते हैं।

# खालिस्तान समर्थक सांसद की नई पार्टी का ऐलान

### 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' नाम रखा, जेल में बंद अमृतपाल को प्रधान बनाया

**मुक्तसर (एजेंसी)।** पंजाब के खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की नई पार्टी का ऐलान हो गया है। इसका नाम 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' रखा गया है। मंगलवार को मुक्तसर के माघी मेले में सियासी कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की गई। पार्टी का अध्यक्ष असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल को बनाया गया है। अमृतपाल पर देशद्रोह के आरोप में एनएसए लगाया गया है। चूंकि अध्यक्ष अमृतपाल अभी जेल में हैं, इसलिए पार्टी को चलाने के लिए कमेटी बनाई गई है। इस दौरान अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह और



फरीदकोट से निर्दलीय सांसद सर्बजीत सिंह भी मौजूद रहे। पार्टी नेता जसकरन सिंह काहन सिंह वाला ने कहा कि चुनाव आयोग को पार्टी के लिए 3 नाम भेजे गए थे, जिसमें इस नाम पर मुहर लगी है। उन्होंने कहा कि ये दो विचारधाराओं की जंग है। एक विचारधारा दिल्ली की है, जो किसानों की जान ले रही है। दिल्ली की सोच सिख समुदाय को नुकसान पहुंचा रही है। दिल्ली की सोच बंदी सिखों को बंदी बनाए रखना चाहती है। दिल्ली की सोच पंथ और पंजाब को नुकसान पहुंचा रही है।

## नीतिश को लेकर लालू परिवार में छिड़ी 'महाभारत'

### घर में ही अलग हो गए तेजस्वी अब तो इधर-उधर होकर रहेगा!

**पटना (एजेंसी)।** मकर संक्रांति के मौके पर राबड़ी आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज में शामिल हुईं आरजेडी सांसद मीसा भारती ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में कुछ भी



असंभव नहीं है। खरमास के बाद शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। नीतिश कुमार के लिए राबड़ी आवास के दरवाजे हमेशा खुले हैं। हालांकि, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पहले ही कह चुके हैं कि नीतिश कुमार से हाथ मिलाना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना होगा। बता दें कि मंगलवार को मीसा भारती पटना स्थित राबड़ी आवास में दही-चूड़ा भोज में शामिल होने पहुंची थीं।

## मेटा को मानहानि का नोटिस भेजेगी संसदीय समिति

### जुकरबर्ग ने कहा था-कोविड के बाद मोदी सरकार हारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की संसदीय समिति मेटा को मानहानि का समन भेजेगी। यह समन मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के उस बयान को लेकर भेजा जाएगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड के बाद भारत में



मोदी सरकार हार गई थी। भाजपा सांसद और कम्युनिकेशन-इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने मंगलवार को कहा कि मेटा को गलत जानकारी फैलाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने 10 जनवरी को एक बयान दिया था जिसको लेकर टकराव जारी है।

## टेक्टिकल कमांडर को टेक्नो कमांडर बनाने की तैयारी

### 2026 तक बदल जाएगी फौज की पढ़ाई, शुरू होगा अभियान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय सेना भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार करने में जोर-शोर से जुटी है। इसके लिए एक से बढ़कर एक



तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि अब राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी के पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव हो रहा है। इसका मकसद सामरिक कमांडरों को टेक्नो कमांडर बनाना है। यह बदलाव 2026 तक लागू हो सकता है। जनरल द्विवेदी ने सेना दिवस से पहले दिल्ली में वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा में आज करेंगे 177.53 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

### पीएम आवास योजना में 3932 हितग्राहियों को करायेंगे गृह प्रवेश

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को विदिशा में 124.01 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 53.62 करोड़ रूपये की लागत के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम में पीएम जनमन योजना के 3 हजार 183 और आवास प्लस योजना के 749 कुल 3 हजार 932 हितग्राहियों को आवास योजना में गृह प्रवेश कराया जायेगा। विदिशा में विभिन्न हितग्राहीमूलक योजना से लाभान्वित होकर लखपति बनी 44 हजार 981 लखपति दीदियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये जायेंगे। पुरानी कृषि उपज मंडी प्रांगण विदिशा में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहेंगे।

विदिशा में कृषि आधारभूत संरचना निधि योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य एवं उद्यम उन्नयन योजना, मध्यप्रदेश एमएसएमई प्रोत्साहन योजना, बकरी पालन, डेयरी व्यवसाय सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये जायेंगे। आवास योजना में 11 हजार 716 हितग्राहियों को आवास स्वीकृतियां भी प्रदाय की जायेगी। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में विदिशा जिले में प्राप्त 55 हजार 189 आवेदनों की स्वीकृतियां भी प्रदान की जायेगी। अभियान में ग्रामीण क्षेत्र के 46 हजार 571 और शहरी क्षेत्र के 8 हजार 618 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

## दंपत्ति ने पिया जहर, पति की मौत, पत्नी की हालत स्थिर

**सागर (नप्र)।** सागर से भी पति-पत्नी से रिश्ते से जुड़ी खबर है। यहां जैसीनगर के बदौआ गांव में पति-पत्नी ने जहर पी लिया, जिसके बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। पत्नी की हालत अब स्थिर है।

बताया जा रहा है कि दोनों की शादी कुछ महीने पहले ही हुई थी। दोनों ने जहर किस कारण पिया, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार बदौआ गांव में रहने वाले 23 वर्षीय धर्मेंद्र पिता मुन्ना लाल पटेल 9 जनवरी को खेत पर बने अपने घर में पत्नी 24 वर्षीय पत्नी रानी के साथ अकेला था। शाम करीब साढ़े चार बजे खेत में काम कर रहे धर्मेंद्र के भाई ने मकान के अंदर से उल्टी करने की आवाज सुनी तो वह दौड़ कर अंदर गया।

# सांसद की आपत्ति से अटकेगा 500 करोड़ का प्रोजेक्ट

### आखिरी दौर में पहुंच चुकी भोपाल कलेक्टोरेट शिफ्टिंग; प्लान भी बन चुके

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के कलेक्टोरेट और कमिश्नर ऑफिस को प्रोफेसर कॉलोनी में शिफ्ट करने के प्रोजेक्ट पर सांसद आलोक शर्मा की ऐसे समय पर आपत्ति आई है, जब सभी प्लान बन चुके हैं। ऐसे में करीब 500 करोड़ रुपए लागत का यह प्रोजेक्ट अब अटक सकता है। अफसरों ने भी शिफ्टिंग की प्रक्रिया फिलहाल रोक दी है। सांसद इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलने की बात कह चुके हैं।

बता दें कि, प्रोफेसर कॉलोनी में 6 मंजिला बिल्डिंग बनेगी। जहां पर कलेक्टर और कमिश्नर ऑफिस शिफ्ट होंगे। करीब तीन महीने पहले नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रोफेसर कॉलोनी और कलेक्टोरेट कैंपस



रीडेंसीफिकेशन प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। इसके बाद सरकारी दफ्तर कहां लगेंगे? इसे लेकर भी प्लान भी बन चुके हैं, लेकिन शिफ्टिंग से पहले ही सांसद शर्मा का इस मामले में बयान आ गया।

सांसद शर्मा ने रविवार को यह कहा था-पुराने भोपाल से सारे सरकारी ऑफिस जा रहे हैं। नगर निगम और आरटीओ पहले ही जा चुके हैं। पुराने भोपाल की जनता मेरे पास आ रही है। उनका कहना है कि अब कलेक्टर ऑफिस नहीं जाना चाहिए। इस बारे में कलेक्टर से चर्चा की है। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिलूंगा।

**आपत्ति से अफसरों ने भी प्रक्रिया रोकी-** सांसद की आपत्ति के बाद जिला प्रशासन ने भी इस प्रोजेक्ट की प्रक्रिया रोक दी है। अफसरों का कहना है कि मामले में सभी प्रक्रिया हो चुकी है। सोमवार को इस मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई।

**ढाई साल पहले बना था प्रोजेक्ट-** बता दें कि करीब दो साल पहले हाउसिंग बोर्ड ने यह प्रोजेक्ट बनाया था, लेकिन भोपाल सिटीजंस फोरम ने इलाके में पेड़ काटने और छोटे तालाब से 50 मीटर के दायरे में निर्माण को लेकर एनजीटी में याचिका दायर की थी। इसी मामले में हरी झंडी मिली। सुनवाई के दौरान हाउसिंग बोर्ड ने बताया था कि प्लानिंग इस तरह से की गई है कि ज्यादातर पेड़ बचाए गए हैं।

## औद्योगिक विकास के साथ युवाओं को रोजगार देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### निवेश छोटा हो या बड़ा हमारे लिये एक समान

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की समृद्धि और प्रदेशवासियों की उन्नति के लिये हम कोई कोर-कसर नहीं छोडेंगे। प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे प्रयासों से आशातीत सफलताएँ मिली है। निवेश छोटा हो या बड़ा हमारे लिये दोनों समान है। हमारा लक्ष्य औद्योगिक विकास के साथ युवाओं को रोजगार देना साथ ही स्व-रोजगार से जोड़ना भी है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की महती भूमिका रही है। आगामी 16 जनवरी को शहडोल में अगली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रही है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार देर रात रीवा से शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर के उद्योगपतियों के साथ वर्चुअल संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहडोल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अब तक 20 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय उद्योगपतियों से संवाद करते हुए प्रदेश की औद्योगिक नीति एवं प्रावधानों और निवेशकों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिये जो निवेशक मध्यप्रदेश में आ रहे हैं, हम उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने देंगे। प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाई गई है। इसमें मध्यप्रदेश देश में चौथे स्थान पर है। निवेशकों की सुविधा के लिये प्रत्येक जिले में 'इंवेस्टमेंट फैसिलिटेशन सेंटर' प्रारंभ किये गये हैं। कलेक्टर्स को इनका नोडल अधिकारी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि शहडोल संभाग के तीनों जिलों में कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये है कि स्टार्ट-अप के लिए युवा उद्यमियों को तैयार करें। राज्य सरकार उन्हें स्व-रोजगार के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध करायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष-2025 को प्रदेश में उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी वर्ष फरवरी माह में भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर समिट भी होने जा रही है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन प्रारंभ किया जा चुका है। इस मिशन से हम युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा प्रदान कर उन्हें अत्म-निर्भर बनाएंगे। इससे वे रोजगार देने वाले बन सकेंगे और विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकेंगे।

### अब तक हुई आरआईसी में प्राप्त निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विभिन्न अंचलों में समान रूप से औद्योगिक विकास और रोजगार के सृजन के लिए अभिनव पहल करते हुए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव करने का निर्णय लिया। प्रदेश की पहली आरआईसी उज्जैन में 1-2 मार्च को हुई, जिसमें एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। दूसरी आरआईसी 20 जुलाई को जबलपुर में हुई, जिसमें 22 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसी क्रम में 28 अगस्त को ग्वालियर में तीसरी आरआईसी हुई, जिसमें 8 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। चौथी आरआईसी सागर में 27 सितंबर को हुई, जिसमें 23 हजार 181 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। पांचवी आरआईसी रीवा में 23 अक्टूबर को हुई, जिसमें 30 हजार 814 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रदेश की 6वीं आरआईसी नर्मदापुरम में 7 दिसम्बर 2024 को हुई, जिसमें 31 हजार 800 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

# मकर संक्रांति पर रिठाला की जनता के बीच पहुंचे राहुल

### बुजुर्ग महिला को खिलाया दही-चूड़ा,लोगों के साथ मनाई संक्रांति

### सीलमपुर के बाद राहुल गांधी ने रिठाला में लोगों से की बातचीत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी-आप के साथ ही कांग्रेस की जमकर प्रचार कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज दिल्ली के रिठाला विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच पहुंचे और वहां के लोगों से बातचीत की। इस दौरान उनके साथ रिठाला से कांग्रेस प्रत्याशी सुशांत मिश्रा भी मौजूद थे।

मकर संक्रांति के मौके पर रिठाला पहुंचे राहुल गांधी की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं। एक वीडियो में पहले बुजुर्ग महिला राहुल गांधी को दही-चूड़ा खिला रही हैं, उसके बाद राहुल गांधी भी बुजुर्ग महिला को प्यार से दही-चूड़ा खिलाते नजर आए। बता दें कि रिठाला के पूर्वांचली लोग काफी ज्यादा रहते हैं। बता दें कि एक दिन पहले ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के सीलमपुर में एक रैली के दौरान अरविंद केजरीवाल को झूठा बताया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की तरह अरविंद केजरीवाल भी झूठे वादे करते हैं। राहुल गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि नरेंद्र मोदी और केजरीवाल ने कहा था कि महंगाई कम करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है।

# जब गुजरात में नहीं रह सके तो मुंबई में शरण दी गई

- अमित शाह के बयान भड़के शरद पवार, बोला हमला
- पवार ने कहा 1978 में सीएम था,जनसंघ के लोग मंत्री

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बड़ा हमला बोला है। पवार ने मकर संक्रांति के मौके पर मुंबई में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश के गृह मंत्री थे, और एक समय यशवंतराव चव्हाण और शंकरराव चव्हाण देश के गृह मंत्री थे। इन देशभक्तों ने इस पद की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महान काम किया। एक समय गुजरात और महाराष्ट्र एक ही राज्य थे। गुजरात ने देश को अच्छे प्रशासक दिए। पवार ने कहा इनमें से किसी को भी



कभी अपने राज्य से निर्वासित (तड़ीपार) नहीं किया गया था। दरअसल अमित शाह ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि 1978 में जो धोखेबाजी की राजनीति शुरू हुई थी, उसको 20 फुट जमीन में दफनाने का काम आप लोगों ने किया है। अमित शाह के इस बयान को शरद पवार पर निशाना माना गया था क्योंकि 1978 में शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे।

# भोपाल के वन विहार में दिखेंगे एशियाई शेर

### 21 दिन का क्वारेंटाइन पूरा; गुजरात के जूनागढ़ से आया है जोड़ा

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में लोग जल्द ही एशियाई शेरों के दीदार कर सकेंगे। इनकी 21 दिन की क्वारेंटाइन अवधि पूरी हो गई है। ऐसे में 20 जनवरी से पहले इन्हें बाड़े में छोड़ा जा सकता है। गुजरात के जूनागढ़ से एशियाई शेरों का जोड़ा 21 दिसंबर को भोपाल लाया गया था। उन्होंने 5 दिन में 1000 किमी का सफर तय किया था। इसके बाद इन्हें 21 दिन तक क्वारेंटाइन रखा गया था। 11 जनवरी को यह अवधि पूरी हो गई। अब इन्हें दीदार के लिए बाड़े में छोड़े जाने का प्लान है।

वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके

सिन्हा ने बताया, दोनों शेरों को बाड़े में अलग-अलग रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। डॉक्टरों के 'ओके' के बाद शेरों के दीदार लोग कर सकेंगे।

**3 साल है दोनों शेर की उम्र-** बता दें कि नर और मादा शेर की उम्र करीब 3 साल है। पहले दिन पिंजरा खुलते ही शेरों ने अपने बाड़े में छलांग लगा दी थी। हालांकि, पहले वे थोड़े डरे-सहमे नजर आए थे लेकिन फिर इधर-उधर मंडराने लगे। खाने के लिए उन्हें मीट भी दिया गया। इसके बाद वे माहौल में ढल गए हैं।

**गुजरात गई थी वन विहार की टीम-** वन विहार का 9 सदस्यीय दल 17 दिसंबर को जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर में शेर को लेने पहुंचे थे, जो 21 दिसंबर की शाम को भोपाल पहुंच गए थे। इस टीम में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक भी शामिल थे।

### पांच हो गई लॉयन की संख्या

वन विहार में पहले 3 शेर थे। जिनमें सत्या, गंगा और नदी शामिल हैं। नंदी और सत्या नंदन कानन चिड़ियाघर से लाए गए थे। अब 2 लॉयन और आ गए। इसके बाद यहां 2 नर और 3 मादा शेर हो गई है।

### 16 साल बाद गुजरात ने मानी है बात

गुजरात ने वन विहार नेशनल पार्क की बात 16 साल बाद मानी और चार साल के शेरों का जोड़ा दिया है। इसके बदले में बांधवगढ़ नेशनल पार्क से लाए गए बाघ बी-2 और बाघिन बंदनी सक्करबाग चिड़ियाघर भेजे हैं। इनकी उम्र क्रमशः 7 और 6 साल है। 2006 से गिर के शेर लाने के प्रयास चल रहे थे। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देश के बाद भी गुजरात वन विभाग व चिड़ियाघर प्रबंधन युवा बाघों के बदले बूढ़े शेर देने की पेशकश कर रहा था।

### नंदी को मिलेगा साथी, बढ़ सकता है कुनबा

मप्र सरकार लगातार गिर से सिंह लाने का प्रयास कर रही थी। जूनागढ़ से आ रहे शेर के जोड़े से ब्रीडिंग प्रोग्राम को गति मिलेगी। वहीं मादा सिंह गंगा को नया साथी मिलेगा। वहीं इन-ब्रीडिंग से बचाने के लिए जूनागढ़ की मादा सिंह को नया साथी सत्या मिलेगा।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में पतंग महोत्सव

# विधायक-महापौर ने की पतंगबाजी

## गिल्ली-डंडा भी खेला बोले- असली मजा ग्राउंड पर

**इंदौर (नप्र)।** मकर संक्रांति के मौके पर इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आज पतंग महोत्सव मनाया गया। यहां कई लोगों ने पतंगबाजी का आनंद लिया। यहां आर्केस्ट्रा म्यूजिक की भी व्यवस्था की गई थी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने पतंगबाजी के साथ-साथ सितोलिया और गिल्ली-डंडा जैसे पारंपरिक खेलों का भी लुत्फ उठाया। इस मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, सूर्य उत्तरायण में प्रवेश कर रहे हैं। यह क्षण उत्साह, आनंद और नई ऊर्जा का प्रतीक है। खेलों से ज्यादा उत्साह और ऊर्जा कहीं और नहीं होती। 'जी' से गैजेट भी होता है और 'जी' से ग्राउंड भी। असली मजा ग्राउंड पर है। इधर, शहर के मंदिरों को भी पतंगों से सजाया गया है। रणजीत हनुमान मंदिर में पूरे परिसर को पतंगों से सजाया गया है। मकर संक्रांति और मंगलवार एक साथ होने की वजह से बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

**शहर में खूब बिके पतंग-मांझे-** मकर संक्रांति को लेकर सोमवार को इंदौर शहर में दिनभर पतंग और मांझे की खरीदारी का दौर चलता रहा। कागज और पन्नी की पतंगों के साथ-साथ मांझे की भी खूब बिक्री हुई। पतंग की दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। मंगलवार को शहर का आसमान पतंगों से सराबोर नजर आएगा। मकर संक्रांति के अवसर पर कुछ स्थानों पर आयोजन भी होंगे, जिनमें लोग पतंगबाजी सहित पारंपरिक खेलों का आनंद लेंगे। इंदौर में जगह-जगह पतंग और मांझे की दुकानें सजी रहीं। अलग-अलग रंगों और वैराइटी के मांझों की भी दुकानों पर भारी मांग रही। लोग अपनी-अपनी पसंद की पतंगें खरीदते नजर आए। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों में भी पतंगबाजी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

### दुकानों पर लगे पुलिस के बैनर

दुकानों पर कागज की अलग-अलग डिजाइन की पतंगों के साथ ही पन्नी पर छोटा भीम, डोरेमोन, स्पाइडर मैन सहित कई कैरेक्टर्स की पतंगों की वैराइटी यहां देखने को मिली। लोगों ने यहां से जमकर खरीददारी करी। इधर, कई दुकानों पर पुलिस की सूचना के बैनर लगे हुए थे। चायना डोर पर प्रतिबंध के चलते पुलिस महकमा भी सक्रिय है। जगह-जगह दुकानों पर पुलिस के बैनर लगे हुए थे, जिस पर लिखा था यहां चायना डोर प्रतिबंधित है। बेचने या खरीदने की सूचना संबंधित थाने को दे। इसमें थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों के भी नंबर लिखे गए है।

### आसमान में दिखा पतंगबाजी का जोश

शहर के पुराने इलाकों से लेकर नई बसी कॉलोनियों, सोसाइटियों और टाउनशिप में भी मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने का पर्व का जमकर आनंद उठाया। आसमान में पतंगबाजी का जोश देखने को मिला। लोग घरों की छतों पर स्पीकर लगाकर बॉलीवुड गानों के साथ ही पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। शहर के मल्हारगंज, लोहारपट्टी, छिपा बाखल, खजूरी बाजार सहित अन्य क्षेत्रों में पतंगबाजी का धूमधाम से आनंद लिया।

### काछी मोहल्ला पतंगबाजों से भरा रहा

शहर के काछी मोहल्ले में सुबह से ही दुकानें पतंगों से सजी रही। रंग-बिरंगी पतंगों को खरीदने के लिए लोगों की भीड़ यहां लगी रही। दुकानदारों ने बताया कि यहां 5 से लेकर 150 रुपए तक की पतंगों की बिक्री हुई। इसके अलावा 70 रुपए से लेकर 900 रुपए तक के मांझे यहां लोगों ने खरीदी।

### महापौर बोले- मकर संक्रांति हमारी परंपराओं का प्रतीक

सोमवार को महापौर ने कहा- मकर संक्रांति हमारी परंपराओं और संस्कारों का प्रतीक है और इस तरह के आयोजनों से हमें अपनी संस्कृति को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों तक भारतीय संस्कृति को पहुंचाने में मदद मिलती है। इधर, मकर संक्रांति पर प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री व विधानसभा 1 के विधायक कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ये आयोजन महाराणा खेल प्रताप संकुल, बाणेश्वर कुंड के पीछे आयोजित होगा।

**गंगाजल की बोतलें वितरित की-** अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन ने मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में मंगलवार सुबह 9 बजे अग्रसेन चौराहा स्थित अग्रसेन प्रतिमा पर अभिमंत्रित गंगाजल की 1100 बोतलों और उनके साथ तिल-गुड़ के लड्डुओं का वितरण किया।

# नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन सदस्य को आदतन अपराधी बताया, कांग्रेस ने की मुलाकात

## बड़े आंदोलन की तैयारी में पार्टी ; मांगों को लेकर स्टूडेंट्स ने 89 घंटे किया था प्रदर्शन

**इंदौर (नप्र)।** कांग्रेस नेता मंगलवार को नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (एनईबायय़ू) की राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य राधे जाट से मिले। राधे को सोमवार को नोटिस जारी कर आदतन अपराधी बताया गया था। अब इस मामले में राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। कल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी ट्वीट कर सवाल उठाए थे। दरअसल, (एनईबायय़ू) के राधे जाट ने साथियों के साथ मिलकर अभ्यर्थियों की अलग-अलग मांगों को लेकर डीडी पार्क से एमपीपीएससी न्याय यात्रा निकालकर एमपीपीएससी ऑफिस के बाहर धरना प्रदर्शन किया था। करीब चार दिन तक हजारों अभ्यर्थी कड़ाके की ठंड में एमपीपीएससी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठे रहे। इसके बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कई कांग्रेस नेता इस प्रदर्शन में पहुंचे थे और अभ्यर्थियों को भरोसा दिलाया था। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा के बाद एनईबाय का एक प्रतिनिधि मंडल सीएम डॉ.मोहन यादव से मिलने पहुंचा था, जहां उन्हें मांगे पूरी होने का आश्वासन मिला था, जिसके बाद उनका धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया था।

**नोटिस में बताया आदतन अपराधी**

इसके बाद राधे जाट और रणजीत पर पुलिस ने दो से ज्यादा एफआईआर दर्ज की थी। हालही में राधे और रणजीत पर डीडी पार्क पर अभ्यर्थियों के साथ बैठक करने वाले थे। उसके पहले ही पुलिस ने दोनों को घर से उठा लिया था और जेल भेज दिया। इसके कुछ दिन बाद दोनों जेल से छूट गए। सोमवार को राधे को एक नोटिस जारी किया गया, जिसमें उसे आदतन अपराधी बताया गया।

**राजनीतिक गलियारों में तेज हुई हलचल-** नोटिस जारी होने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई थी। (एनईबायय़ू) ने ट्वीट कर नोटिस के बारे में जानकारी दी थी, जिस पर कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी एक ट्वीट किया था और कई सवाल उठाकर भाजपा को घेरा था। इसके बाद आज मंगलवार को कांग्रेस के नेता भी राधे जाट से मिलने पहुंच गए।

### कांग्रेस नेता कर चुके थे समर्थन

मंगलवार को जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल,सूचना अधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गिरीश जोशी सहित अन्य नेता राधे जाट से मिले। उन्होंने बताया कि एमपीपीएससी के छात्रों की मांगों को लेकर नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन द्वारा एमपीपीएससी कार्यालय के बाहर एक बड़ा आंदोलन किया था, जिस आंदोलन का नेतृत्व राधे जाट एवं उनके साथियों द्वारा किया गया था।

## इंदौर आरटीओ में खुली नंबरों की नई सीरीज

### एमपी 09 एजी सीरीज के वीआईपी नंबरों की शुरू हुई नीलामी, गुरुवार शाम को आएंगे परिणाम

**इंदौर (नप्र)।** परिवहन विभाग ने वाहनों के लिए नई नंबर सीरीज एमपी 09 एजी शुरू कर दी है। इसके साथ ही वीआईपी नंबरों की नीलामी का सिलसिला भी शुरू हो गया। सोमवार रात से ही इन नंबरों को ऑनलाइन नीलामी के लिए अपलोड कर दिया गया है। इस बार भी सबसे ज्यादा पसंदीदा 0001 नंबर है। परिवहन विभाग ने 0001 से 9999 तक के नंबरों में से 500 चुनिंदा नंबरों को वीआईपी श्रेणी में रखा है। इन नंबरों की नीलामी हर सप्ताह सोमवार से गुरुवार तक होती है। खासकर नई सीरीज शुरू होने पर नीलामी में सबसे ज्यादा उत्साह देखा जाता है, क्योंकि इस दौरान सभी वीआईपी नंबर एक साथ उपलब्ध होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा डिमांड 0001 नंबर की होती है। आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि पिछली सीरीज एमपी 09 एजी के सभी नंबर खत्म हो जाने के बाद अब नई सीरीज एमपी 09 एजी लॉन्च की गई है। 9000, 9999 और 0909 जैसे नंबरों पर पहले ही बोली लग चुकी है। नीलामी गुरुवार शाम 5 बजे तक जारी रहेगी और सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को नंबर अलॉट किया जाएगा।

## मॉर्चुरी रूम में फांसी के फंदे पर झूला सुपरवाईजर ; पुलिस मामले की जांच में जुटी

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के अरविंदो अस्पताल के एक कर्मचारी ने बीती रात आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि वह रात में ड्यूटी पर आए थे और उसके बाद अस्पताल के मॉर्चुरी रूम में बने कमरे में फांसी लगा ली। सुबह जब स्टाफ पहुंचा, तो उन्हें घटना की जानकारी मिली। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम सोनू खाटवा (50) है, जो अरविंदो अस्पताल में मॉर्चुरी इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे।

# साइबर ठगों को सिम बेचने वाले 3 आरोपी पकड़ाए

## 450 सिमें उपलब्ध कराने का अनुमान ; शेयर कारोबारी महिला को किया था डिजिटल अरेस्ट

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर क्राइम ब्रांच ने डिजिटल अरेस्ट मामले में तीन और आरोपियों को पकड़ा है। आरोपी निजी कंपनियों में सिम बेचने का काम करते थे। उन्होंने पूछताछ में बताया कि डिजिटल अरेस्ट करने वाले आरोपियों को सिम बेची थी। वह फर्जी तरीके से कस्टमर के डॉक्यूमेंट से सिम लेते और उसे रुपए के लालच में ठगों को बेच देते थे। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि बिचौली मर्दाना में रहने वाली शेयर कारोबारी महिला के साथ 1 करोड़ 60 लाख ठगने के मामले में क्राइम ब्रांच ने सिवनी जिले के कुरई निवासी गौरव तिवारी, सिवनी जिला निवासी योगेश पटले और सुजल सूर्यवंशी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कबूला है कि वारदात में हुए वीडियो कॉल के लिए ठग गैंग को सिम कार्ड गांव में रहने वाली एक महिला की आईडी पर उपलब्ध कराई थी। आरोपियों ने विदेशों में भी सिम देने की बात कबूली है। आरोपियों ने बताया कि गांव के करीब 450 से अधिक लोगों के नाम से सिम इश्यू कराकर उन्होंने अलग-अलग लोगों को बेची है। यह सब वह रुपए के लालच में करते थे।

**एक सिम के बदले मिलते थे 350 रुपए-** गौरव तिवारी ने बताया कि वह वर्तमान में पंडिताई का काम कर रहा है। निजी कंपनी में 2 महीने से सेल्समैन का काम भी करता है। उसने बीकॉम तक पढ़ाई की। पहले एक साल मोबाइल एसेसरीज एवं रिपेयरिंग कि दुकान चलाता था। जुलाई 2024 में एयरटेल कंपनी मे पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) एजेंट के रूप में काम करने लगा। इस दौरान योगेश ने बताया कि उसे सिम कार्ड की जरूरत है। सिम कार्ड दोगे तो में तुम्हें एक सिम का 350 रुपए दूंगा और पैसे के लालच में आकर आरोपी गौरव और योगेश ने सिवनी के कुरई के गांवों में कैंप लगाकर सिम कार्ड इश्यू करना शुरू कर दिया। सिम कार्ड इश्यू करवाने के लिए ग्राहक का एक बार ई-केवाईसी और दूसरी बार डिजिटल केवाईसी करवाया जाता। ई-केवाईसी में सिम कार्ड तुंरत एक्टिव हो जाती है। जबकि डिजिटल केवाईसी में सिम कार्ड कुछ घंटों के बाद एक्टिव होती है। इसका फायदा उठाकर आरोपी सिम अपने पास रख लेता था। गौरव ने 450 सिम कार्ड इश्यू कराकर योगेश को दिए। जिसके एवज में गौरव ने कुल 1 लाख रुपए अपने खाते में ऑनलाइन अलग-अलग ट्रांसफर कराए।

### कमीशन के लालच में किया काम

योगेश पटले जिला सिवनी ने पूछताछ में बताया कि वर्तमान में खेती किसानी का काम करता है। बीए की पढ़ाई की है। वह आइडिया कंपनी में प्रमोटर का काम करता था। जिसमें पीओएस एजेंट एवं सिम कार्ड लेने वाले लोगों से अच्छी पहचान है। 7 माह पहले ठग गैंग ने संपर्क किया। जिसमें वॉट्सएप इस्तेमाल करने के सिम कार्ड मांगे। इसमें 20 मोबाइल नंबर के वॉट्सएप ओटीपी मांगे। ठगों ने बताया कि उन्हें व्हाट्सएप से ट्रेडिंग का करना है। इन सिमों का उपयोग ठगों ने किया। जब यह ब्लॉक हुए तो 100 सिम कार्ड और मांगे। एक सिम कार्ड का 500 रुपए देने की बात कही। इस पर गौरव को झांसे में लेकर 350 रुपए उसे देता और बाकी के रुपए खुद रखता था।

## शादी के लिए मंदिर किराए पर दिया, यादव समाज में आक्रोश

### पंडितों के साथ मंदिर पहुंचे, किया शुद्धिकरण ; असली दोषियों पर कार्रवाई की मांग

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के प्राचीन गोपाल मंदिर को शादी के लिए किराए पर देने और वहां गंदगी फैलाने को लेकर यादव समाज में आक्रोशित है। मंगलवार को अहिल्या माता की प्रतिमा, राजबाड़ा पर बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग एकत्र हुए। उन्होंने अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। समाजजनों के साथ कई पंडित और पुजारी भी मौजूद थे। ये सभी भजन-कीर्तन करते हुए समूह में गोपाल मंदिर पहुंचे। रास्ते भर 'जय माधव, जय यादव' के नारे लगाए।

**मंदिर का शुद्धिकरण और पूजा-अर्चना-** समाजजन राकेश सिंह यादव और हिमांश यादव के नेतृत्व में पंडितों ने मंदिर का शुद्धिकरण किया। मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ वहां पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन किया गया। इसके बाद आरती की गई। राकेश सिंह यादव ने आरोप लगाया कि किसके कहने पर मंदिर को किराए पर दिया गया। यह जांच का विषय है।

उन्होंने कहा कि, सामान्य तौर पर किसी व्यक्ति या अधिकारी के कहने पर तो नहीं दिया गया। दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले को लेकर मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई है कि किस मंत्री के कहने पर मंदिर शादी समारोह के लिए किराये पर दिया गया, यह बताएं। उन्होंने कहा कि मंदिर को किराये पर देकर लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई गई। ईश्वर उन लोगों को सद्बुद्धि दे जो सत्ता के प्रभाव में यादव समाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं।

# कॉलोनी में चोरी कर रहे थे बदमाश, रहवासियों ने पकड़ा

## आधी रात को पीटकर पुलिस के हवाले किया ; दवा व्यापारी का नौकर गिरफ्तार

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में रहवासियों की मदद से पुलिस ने दो चोरों को पकड़ा है। बताया जाता है कि रात के समय चोर ई-रिक्शा में मशीन और लोहे का सामान भरकर ले जा रहे थे। जब रहवासियों ने उन्हें देखा, तो शोर मचा दिया। घबराकर दो बदमाश पड़ोसी की छत से कूदकर भागने लगे। इनमें से एक को एक रहवासी ने धक्का देकर गिरा दिया और बाद में भीड़ ने उसकी पिटाई कर दी। इस बीच ई-रिक्शा में अपने साथियों का रास्ता देख रहा चोर भी पकड़ा गया। पुलिस अब तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। द्वारकापुरी थाने के शांतिनाथपुरी इलाके में सोमवार रात करीब 11:45 बजे रहवासियों ने अजय यादव और उसके साथी यश सिंदुरिया को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपियों का तीसरा साथी राज यादव फरार है। तीनों बदमाश एक निर्माणाधीन मकान के लिए लाए गए सामान को चुराकर ई-रिक्शा में भर रहे थे। चोरों ने लोहे की मशीन और अन्य सामान चोरी किया था। इस बीच गली में रहने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें देखा और चोर निर्माणाधीन मकान में घुस गए। वहां से वे एक अन्य परिवार की छत पर कूद गए। घर में मौजूद एक लड़की ने चोरों को देखकर शोर मचाया। तभी एक रहवासी सन्नी ने अजय यादव को धक्का देकर गिरा दिया। रहवासियों ने उसकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद ई-रिक्शा में खड़े यश सिंदुरिया को भी पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने ई-रिक्शा और चोरी का सामान जब्त कर लिया और दोनों को थाने ले गई।शोर सुनकर कॉलोनी वाले अपने घरों से बाहर आए और चोर को पीट दिया।

### दवा व्यापारी के घर चोरी करने वाला नौकर पकड़ा गया

तुकोगंज इलाके में दवा व्यापारी के घर से हुई लाखों की चोरी के मामले में पुलिस ने मंगलवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय व्यापारी का 13 साल का बेटा घर में सो रहा था। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में उनका पूर्व नौकर जितेंद्र मीणा दिखा। पुलिस ने उसे रेलवे स्टेशन पर उसके दोस्तों से मिलने के दौरान हिरासत में लिया। तुकोगंज में रेसकोर्स रोड़ के पास दवा व्यापारी अमित के यहां चोरी करने के मामले में उसके पूर्व नौकर जितेन्द्र मीणा की पुलिस को तलाश थी। पुलिस ने जितेन्द्र को मंगलवार सुबह हिरासत में लिया है। पुलिस ने बहाने से उसे दोस्तो के जरिए मिलने बुलाया। इसी दौरान उसे पकड़कर तुकोगंज पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

# इंदौर में चाइनीस मांझे पर कार्रवाई, तीन थानों में छापेमारी

## ग्राहक बनकर पहुंचे पुलिसकर्मी, पतंग दुकानों से जब्त हुए कई रोल

**इंदौर (नप्र)।** इंदौर में चाइनीस मांझे को लेकर पुलिस ने विभिन्न थानों में कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने रात के समय ग्राहक बनकर कुछ दुकानों पर दबिश दी, जिसके बाद तीन थानों में चाइनीस मांझे से संबंधित जानकारी सामने आई। मल्हारगंज इलाके में पुलिस को सूचना मिली कि प्रजाप्रतपुरा में चाइनीस धागा बिक रहा है। इसके बाद पुलिस ने हिमेश देव, निवासी प्रजाप्रतपुरा को पकड़ा। पुलिस ने सिविल ड्रेस में जवान को ग्राहक बना कर मांझा मांगने पर आरोपी ने चाइनीस मांझा दे दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 11 मांझे जब्त किए, जो उसने छिपा कर रखे थे। खजराना पुलिस ने भी मोहित कुशवाह, निवासी सोमनाथ की चाल पर छापेमारी की। आरोपी महालक्ष्मी मेला ग्राउंड में चाइनीस मांझा बेच रहा था। पुलिस ने आरोपी से एक थैले में रखे करीब 24 मांझे जब्त किए और उसे थाने लाकर कार्रवाई की। भंवरकुआ पुलिस ने भी रामलाल गिरी, निवासी शिवपार्वतीनगर चौराहे को पकड़ा। आरोपी नेहा जनरल स्टोर्स से चाइनीस मांझा बेच रहा था। पुलिस ने रामलाल के पास से करीब 9 चाइनीस मांझे के रोल जब्त किए और उसे थाने लाकर कार्रवाई की। इस बीच, शहर की प्रमुख पतंग दुकानों पर चाइनीस मांझे के उपयोग पर प्रतिबंध को लेकर पोस्टर चस्पा किए गए हैं। मकर संक्रांति को लेकर सोमवार को इंदौर शहर में दिनभर पतंग-मांझे की खरीददारी का दौर चलता रहा। कागज-पन्नी की पतंगों के साथ ही मांझे की भी खूब खरीददारी लोगों ने की। पतंग की दुकानों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। मंगलवार को शहर का आसमान पतंगों से सराबोर नजर आएगा। मकर संक्रांति पर कुछ जगह आयोजन भी होंगे। जिसमें लोग पतंगबाजी सहित पारंपरिक खेलों का आनंद भी लेंगे। इंदौर में जगह-जगह पतंग-मांझे से दुकानें सजी रही।

संपादकीय

# गिरता रूपया, बढ़ती चिंताएं

इधर रूपया डॉलर के मुकाबले लगातार गिर रहा है, उधर भारतीय निवेशकों की चिंता बढ़ती जा रही है, क्योंकि स्टॉक मार्केट भी नीचे जा रहा है। यह गिरावट कब थमेगी कहा नहीं जा सकता। हालांकि ऐसा केवल रूपए के साथ ही हो रहा है, ऐसा नहीं है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची हलचल ने भारतीयों को मुश्किल में डाल दिया है, क्योंकि देश में तेल के दाम फिर बढ़ने की आशंका है। साथ ही तमाम आयातित वस्तुएं भी और महंगी होंगी। जिसका प्रभाव हमारे जीवनस्तर पर भी पड़ेगा। सोमवार को रूपया डॉलर के मुकाबले अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। यानी एक डॉलर के बदले 86.70 रूपए। इस गिरावट के लिए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार की अक्षमता को जिम्मेदार ठहराया। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला तो उनकी उम्र 64 साल होने को थी और डॉलर के मुकाबले रुपया 58.58 रुपये पर था। मोदी 'इस साल के अंत में 75 साल के होने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि रुपया डॉलर के मुकाबले 86 से भी नीचे गिर चुका है।' सीपीआई महासचिव डी. राजा ने कहा कि भारत पहले से ही 200 लाख करोड़ रुपये के विदेशी कर्ज में डूबा हुआ है और भारतीय रुपये के मूल्य में गिरावट अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत को और उजागर करती है। यहां सवाल यह है कि रूपया आखिर क्यों गिर रहा है? अगर यही हाल रहा तो भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था कैसे बनेगा? इस बारे में जानकारों का कहना है कि विदेशी इन्वेस्टर लगातार अपना पैसा दुनियाभर के बाज़ारों से निकाल कर अमेरिका में निवेश कर रहे हैं। क्योंकि डॉलर लगातार मज़बूत हो रहा है। वहां उन्हें भारत से कहीं ज्यादा रिटर्न मिलेगा। दूसरा कारण खुद अमेरिका है। अमेरिका में उम्मीद थी कि वहां ब्याज दरें घटेंगी। हालांकि ऐसा नहीं हुआ, लेकिन अमेरिका में बेरोजगारी घटने के ताजा डाटा ने निवेशकों की बांछें खिला दीं। इससे विदेशी निवेशकों ने भारत सहित कई अन्य देशों के शेयर बाजारों से पैसा निकाल कर अमेरिका में इन्वेस्ट करना शुरू कर दिया है। नतीजा यह है कि भारतीय शेयर बाजार भी बैठने लगा है। निवेशकों को फायदे की जगह नुकसान होने लगा है। यह स्थिति कब सुधरेगी, कहना मुश्किल है। भारत की परेशानी यह है कि हम कच्चा तेल व अन्य ऊर्जा जरूरतें बड़ी मात्रा में आयात करते हैं। डॉलर महंगा होने से इनके लिए भी ज्यादा विदेशी मुद्रा चुकानी होगी। लिहाजा देश में महंगाई और बढ़ेगी। गरीब और मध्यम वर्ग का बजट बिगड़ेगा। लोन महंगे होंगे। यात्राएं भी महंगी होंगी। वैसे कई जानकारों का मानना है कि इस गिरावट से बहुत ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। उधर भारत सरकार और आरबीआई ने भी रूपए की गिरावट को थामने के लिए किन्हीं उपायों की घोषणा नहीं की है। आरबीआई भी 'वेट एंड वॉच' की मुद्रा में है। अभी तक भारतीय बाजारों के सेंटीमेंट मजबूत माने जा रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था मोटे तौर पर पटरी पर है। इसलिए रूपए में गिरावट का बहुत गहरा असर होगा, ऐसा नहीं लगता। यूं रूपए में गिरावट का एक सकारात्मक पहलू यह है कि हमारे निर्यात सस्ते होंगे। निर्यात बढ़ेंगे तो रूपए में मजबूती अपने आप आ सकती है। माना यह भी जा रहा है कि चूंकि भारत का बजट आने में दो हफ्तें ही शेष हैं, इसलिए केन्द्रीय वित्त मंत्री रूपए को बचाने के लिए कोई बड़ी घोषणा कर सकती हैं। मोदी सरकार इस मामले में क्या नीति अपनाती है, यह देखने की बात है। लेकिन इस पर राजनीति होगी, यह तय है।

नजरिया



प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# धरती के बढ़ते तापमान का नतीजा है लॉस एंजिलिस की आग

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के महानगर लॉस एंजिलिस में लगी भयानक आग इस तथ्य की चेतावनी है कि जलवायु परिवर्तन के चलते धरती का जिस तेजी से तापमान बढ़ रहा है, उसने दुनिया को नष्ट होने के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। आग ने हॉलीवुड और फेशन के लिए मशहूर शहर के बड़े हिस्से को चपेट में लेकर 10,000 से ज्यादा बहुमंजली भवन जलाकर राख कर दिए हैं। बचाव के लाख प्रयासों के बावजूद 24 लोगों की जान चली गई है। निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भीषण अग्निकांड का दोषारोपण कैलिफोर्निया के गर्वनर गेविन न्यूसम और राष्ट्रपति जो बाइडेन पर डाला है। क्योंकि क्योंकि जल भंडारों में पानी ही नहीं था। यह आग पर काबू पाने का उपाय अवश्य था, लेकिन इस महात्रासदी के पीछे वे ग्रीनहाउस गैसें रही हैं, जो धरती का तापमान बढ़ाकर पारिस्थतिकी तंत्र में निरंतर बदलाव ला रही हैं। धरती के इस बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों को संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पहले ही जता दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश पिछले कुछ सालों से भीषण गर्मी, सूखा, आग, तूफान, बर्फबारी, बाढ़ और बादल फटने व बिजली गिरने की घटनाओं से दो-चार हो रहे हैं। हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं और करोड़ों की संपत्ति का नाश हुआ है। 60 देशों के 200 वैज्ञानिकों ने यह रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में दावा किया है कि अगले 20 साल में धरती का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। वैज्ञानिकों ने पहले अंदाज लगाया था कि यह तापमान 2050 तक बढ़ेगा, लेकिन अब यह दस साल पहले, मसलन 2040 तक ही बढ़ जाएगा। तेज गर्म हवाओं के चलते 50 साल में बढ़ने वाला तापमान अब हर दस साल में बढ़ रहा हैं। संयुक्त राष्ट्र के अंतर सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल की इस रिपोर्ट को दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी रिपोर्ट कहा गया है। इस रिपोर्ट की पुष्टि यूरोपियन स्पेस एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने 10 जनवरी 2025 को इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार 2024 ऐसा पहला साल हैं, जब दुनिया का तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक हो गया है। इस रिपोर्ट को जलते लॉस एंजिलिस के परिप्रेक्ष्य में देखने व परखने की जरूरत है। इस आग ने 10 लोगों के प्राण तो लील ही लिए हैं, 1 लाख 80 हजार से ज्यादा लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। 3 लाख अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। क्षेत्र में चल रही तेज गर्म हवाएं और शुष्क मौसम आग नियंत्रण के प्रयासों को असफल कर रहा है। साफ है आग ने भारी तबाही का तांडव रचा हुआ है। नेशनल इंटर एजेंसी फायर सेंटर के अनुसार 2024 में सितंबर तक जंगलों में आग की 38,000 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। 78 लाख एकड़ जमीन आग से प्रभावित हुई है। वैसे भी अमेरिका में हर साल सघन वनों में 45000 से ज्यादा अग्निकांड होते हैं। लॉस एंजिलिस में इस अग्नि तांडव को देखकर शहर के काउंटी शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा है, 'आग देखकर ऐसा लग रहा है जैसे यहां परमाणु बम गिराया गया हो।' याद रहे, अमेरिका ऐसा देश है, जिसने जापान के नागासाकी और हिरोशिमा शहरों पर परमाणु बम फेंक कर उन्हें तबाह कर दिया था।



कैलिफॉर्निया के जंगल में आग कैसे लगी, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। दरअसल यह शहर पहाड़ों के बीच बसा है। यहां चीड़ के जंगल हैं। चीड़ के सूखे पेड़-पत्तों में आग लगने से जंगल जलने लग गया। कुछ ही घंटों में आग ने लॉस एंजिलिस के बड़े क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। शहर की हवा जहरीली हो गई। यहां 160 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली 'सांता सना' हवाओं ने आग को तेजी से भड़का दिया। आमतौर से पतझड़ के मौसम में चलने वाली ये हवाएं अत्यंत गर्म होती है। ये दक्षिण कैलिफॉर्निया क्षेत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं। यह आग इसलिए भी तेजी से भड़की क्योंकि कैलिफॉर्निया में कई साल से सूखे के हालात बने हुए हैं। इलाके में नमी औसत स्तर से कम हो गई है। वैसे भी यह इलाका अमेरिका के दूसरे क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक गरम है। यही वजह है कि यहां पर गर्मी के मौसम में अक्सर जंगल सुलग उठते हैं। यह सिलसिला बारिश के मौसम तक जारी रहता है। बीते 50 सालों में कैलिफोर्निया के जंगलों में 78 मर्तबा आग लग चुकी है। फिर भी आग न लगे इसके कोई पुख्ता उपाय अब तक नहीं खोजे जा सके है। इसके विपरीत इस क्षेत्र के जंगलों के निकट आवासीय बस्तियां निरंतर बढ़ती जा रही हैं। वस्तुतः नुकसान अधिक होने लगा है। चीड़ के जंगल जहां भी हैं, वहां आग की घटनाएं अधिक होती हैं। भारत के उत्तराखंड के जंगलों में भी हर साल इसी कारण आग लगती है। दरअसल चीड़ के पत्तों में एक विशेष किस्म का ज्वनलशील पदार्थ होता है। इसकी पत्तियां पतझड़ के मौसम में आग में घी डालने का काम करती हैं। गर्मियों में पत्तियां जब सूख जाती हैं तो इनकी ज्वलनशीलता और बढ़ जाती है। इन पत्तियों का भयावह दावाग्नि में बदलने के कारणों में वर्षा की कमी, जाड़ों का कम पड़ना, गर्मियों का जल्दी आना और तिस पर भी शुरूआत में ही तापमान का बढ़ जाना माना जाता है। इन वजहों से यहां पतझड़ की मात्रा बढ़ी,उसी अनुपात में मिट्टी की नमी घटती चली गई। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत हैं, जिन्हें जिम्मेबारों को समझने की जरूरत थी।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पश्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एषिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैश्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिश, बाढ़, बर्फबारी, फिर सूखे का कहर यही संकेत दे रहे हैं। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृश्य खतरे इर्दगिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवशोषित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षो तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है। इसके इतर मानवजन्य गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कॉर्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर में कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब यह समुद्र इसे अवशोषित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ेगा, जो न केवल मानव प्रजाति, बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा।

2024 में पृथ्वी का तापमान नए स्तर पर पहुंचने के साथ वातावरण में भी परिवर्तन देखा गया है। 2023 की तुलना में हवा में प्रति 10 लाख पर कॉर्बन डाइऑक्साइड के 2.9 कण अधिक दर्ज किए गए हैं। कॉर्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में पहुंचने पर सैकड़ों सालों तक धरती को गरम रख सकती है। ताकतवर ग्रीन हाउस गैस मीथेन के प्रति अबर पर तीन कण अधिक दर्ज किए गए है। जो वातावरण को गर्म बनाए रखने के कारक हैं। इसी कारण प्राकृतिक आपदाएं अब व्यापक व विनाषकारी साबित हो रही हैं, क्योंकि धरती के बढ़ते तापमान के कारण वायुमंडल भी परिवर्तित हो रहा है। अमेरिका व ब्रिटेन समेत यूरोपीय देषों में दो शताब्दियों के भीतर बेतहाशा अमीरी बढ़ी है। औद्योगिकीकरण और षहरीकरण इसी अमीरी की उपज है। यह कथित विकासवादी अवधारणा कुछ और नहीं, प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन कर पृथ्वी को खोखला करने के ऐसे उपाय हैं, जो ब्रह्मांड में फैले अवयवों में असंतुलन बढ़ा रहे हैं। इस विकास के लिए पानी, गैस, खनिज, इस्पात, ईंधन और लकड़ी जरूरी हैं। नतीजतन जो कॉर्बन गैसें बेहद न्यूनतम मात्रा में बनती थीं, वे अब अधिकतम मात्रा में बनने लगी हैं। न्यूनतम मात्रा में बनी गैसों का शोषण और समायोजन भी प्राकृतिक रूप से हो जाता था, किंतु अब वनों का विनाश कर दिए जाने के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है, जिसकी वजह से वायुमंडल में इकतरफा दबाव बढ़ रहा है। इस कारण धरती पर पड़ने वाली सूरज की गर्मी प्रत्यावर्तित होने की बजाय, धरती में ही समाने लगी है। गोया, धरती का तापमान बढ़ने लगा, जो जलवायु परिवर्तन का कारण तो बना ही, प्राकृतिक आपदाओं का कारण भी बन रहा है। ऐसे में सिमेंट, लोहा, कांक्रीट, प्लास्टिक, कांच और लकड़ी के भवन जब गिरते हैं, तो मानव त्रासदी तथा हानि ज्यादा होती है। जैसे की हमें अमेरिका के लॉस एंजीलिस में लगी आग के परिप्रेक्ष्य में देखने में आ रही है।

सामयिक



प्रदीप मिश्र

लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं।

# सूचना का अधिकार: सरकारें ही कर रहीं बंटाधार

केंद्रीय सूचना आयोग समेत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सूचना आयोगों में सूचना आयुक्तों की नियुक्तियों में लगातार की जा रही देरी पर सर्वोच्च न्यायालय ने फिर फटकार लगाई है। जानना चाहा कि जब नियुक्तियां ही नहीं हो रही हैं, तो राजकाज में स्पष्टता और पारदर्शिता वाले सूचना के अधिकार (आरटीआई) और संस्था का लाभ आखिरकार किसे, कैसे और कब होगा। ऐसा पहली बार नहीं है, जब शीर्ष अदालत ने 2005 में बने इस कानून के क्रियान्वयन में सरकार की बेरुखी पर सवाल उठाए हैं। बीते साल 26 नवंबर को भी इस बारे में निर्देश दिए गए, हलफनामे मांगे गए और स्टेटस रिपोर्ट तलब की गई थी। गौरतलब है कि फरवरी 2019 से सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों में समय से नियुक्तियां करने का निर्देश देता आ रहा है। बावजूद इसके पांच साल से बदनीयती के कारण लड़ाई बार-बार सुप्रीम कोर्ट तक जा रही है। नवंबर में बिहार में एक, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में दो, पश्चिम बंगाल में चार और ओडिशा में पांच और महाराष्ट्र में सूचना आयुक्त के सात पद खाली थे। विडंबना है कि सूचना क्रांति के दौर में सूचना का अधिकार जन-जन का अधिकार नहीं बन पाया है। हालांकि इस बीच बिहार सहित कुछ प्रदेशों में खाली पद भरे गए।

अपनी शुरुआत के बीसवें साल में आरटीआई की हालत खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के खंड विकास अधिकारी कार्यालय के अधिकारी एक वर्ष बाद भी मांगी गई सूचना नहीं दे रहे हैं। निर्धारित समय अर्थात 30 दिन में मांगी गई सूचना न देने या कारण स्पष्ट न करने पर 25 हजार रुपये के जुर्माने का नियम है। जिले के बसाड़ी गांव निवासी वकील शेख मंसूरी ने बताया कि रिपोर्ट नहीं दी गई। भ्रष्टाचार पर रोक के लिए बनाए गए कानून के तहत लेहरा, बरहुआ, सरैया, वसाढ़ी, हाटां सहित अन्य गांवों से मांगी गई सूचनाएं भी नहीं दी गई हैं। सांविधानिक अधिकार को लेकर जनता की सतर्कता के बावजूद जमीनी स्तर पर इसकी वास्तविकता का सटीक उदाहरण है। गंभीरता और कार्रवाई के अभाव में बार-बार चेतावनी के अतिरिक्त कुछ नहीं हो सकता है। दूसरी ओर अधिकार की उपयोगिता एक सूचना से भी समझी जा सकती है कि रेल मंत्रालय मानव स्वास्थ्य के प्रति क्या लापरवाही बरतता है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने बीते साल 22 अक्तूबर को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि ट्रेन में यात्रा के दौरान दिए जाने वाले कंबल महीने में एक बार धुले जाते हैं। उनका दावा था कि यह जानकारी एक आरटीआई से मिली है।




केंद्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्तों के आठ पद खाली हैं। करीब 23,000 अपीलें लंबित हैं। कई राज्यों के सूचना आयोग 2020 से निष्क्रिय हैं और कुछ ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत याचिकाएं भी लेना बंद कर दिया है। मामले में याचिकाकर्ता अंजलि भारद्वाज की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने फिर याद दिलाया कि फरवरी 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले और 2023 व 2024 में पारित आदेशों के बावजूद समय पर और पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। कहा, कानून को खत्म करने का सबसे आसान तरीका यह है कि सूचना आयोगों को निष्क्रिय कर दिया जाए। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि अगस्त 2024 में सूचना आयुक्तों के लिए आवेदन मांगे गए थे। 161 आवेदन प्राप्त हुए। चयन प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए। झारखंड की 'विशेष परिस्थिति' पर भी गौर किया, जहां विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति के कारण राज्य सूचना आयोग की नियुक्तियां रुकी हुई हैं। आयोग 2020 से निष्क्रिय है और 8,000 से अधिक अपीलें लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वहां विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी को निर्देश दिया कि वह चयन समिति के लिए अपना सदस्य नामित कर 10 सप्ताह में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करे। दरअसल, अलग-अलग समय की सरकारें कानूनों में संशोधन कर कड़े कानूनों को कमजोर करती रही हैं। बीते दिनों पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद उनके 10 वर्ष के कार्यकाल में जिन फैसलों को याद करते हुए प्रशंसा की गई, उनमें आरटीआई प्रमुख माना गया। 2014 में सरकार केंद्र सरकार बदली और फिर कड़े कानूनों को कमजोर किया गया। आरटीआई (संशोधन) अधिनियम, 2019 ने केंद्र सरकार को अत्यधिक शक्तियां देकर मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) की स्वायत्तता को बाधित कर दिया गया। आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के प्रावधान और कार्यकाल कम कर दिया गया। स्वतंत्रता और स्वायत्तता कम की गई। नतीजा, सरकारी मशीनरी की संवेदनशीलता कम और देरी पर कार्रवाई का खौफ खत्म हो गया। बदली व्यवस्था में सूचना आयुक्त जुर्माना लगाने से भी बचने लगे। औपचारिकता में आयोग और सरकार दोनों की जवाबदेही पहले कम और धीरे-धीरे खत्म जैसी हो गई। 30 जून, 2024 तक सभी 29 सूचना आयोगों में लंबित अपीलों और शिकायतों की संख्या 4,05,509 इसीलिए पहुंच गई। कई बार निर्देश के बाद केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर मेंआरटीआई पोर्टल पिछले सप्ताह शुरू किया गया। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए 61 विभागों का पोर्टल कितना महत्वपूर्ण कदम होगा, यह समय बताएगा।

मतलब साफ है। फैसले देने वाले संस्थान वे बुनियादी जानकारियां ही नहीं दे रहे हैं, जिनके बूते बात को आगे बढ़ाया जा सके। हालात बताते हैं कि 2019 में किए गए संशोधनों की आड़ में जिम्मेदार अधिकारी चाटुकारिता पर आमादा हो गए हैं। वे सरकारों के लिए अप्रिय स्थिति उत्पन्न करने वाली सूचनाओं को छिपाने की पूरी कोशिश करते हैं। गोपनीयता और संवेदनशीलता का बहाना बनाकर कई में कामयाब भी हो जाते हैं। इस कारण कई मामले उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच रहे हैं। 26 अप्रैल 2024 को दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा था कि बहुत बड़ी जानकारी होने का आधार बताकर कोई भी सूचना देने से इन्कार नहीं किया जा सकता है, वशर्ते आवेदक द्वारा मांगी गई जानकारी अधिनियम की धारा आठ में निहित किसी छूट के दायरे में नहीं आती हो। कहा था कि यदि अदालत इस तर्क को मान लेगी तो यह छूट के दायरे में आने वाला एक और आधार बन जाएगा। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के खिलाफ यह मामला 2016 से चल रहा था, जिसमें केंद्रीय सूचना आयोग ने प्रतिवादी को वादी की ओर से उठाए गए सभी 27 बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी देने के निर्देश दिए थे।

# कुम्भ के मेले में पानी की आवाज भी सुनो

सरोकार



ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

पानी इतना आंदोलित क्यों है? वह हमारे रास्ते क्यों रोक रहा है? हमारी गृहस्थी क्यों बहा रहा है? बस्तियां क्यों डुबा रहा है। हमें गङ्गा में डूबा साधते हुए आधुनिक शहरों और गांवों की तरफ़ देखते हुए अपनी ओर आते आंदोलित पानी की आवाज़ सुनना चाहिए। देश की राजधानी में ही कीचड़ से भरी यमुना अपने अवरुद्ध मार्ग को खोज रही है। यमुना को मार्ग कैसे मिलेगा? गङ्गा मैली होने से क्यों नहीं बच पा रही है?

हमारे जीवन का सबसे प्राचीन मार्ग जल ही है जो हमें अब तक किनारे लगाता आ रहा है। पानी जबसे इस धरती पर है, अपना मार्ग जानता है। वह जानता है कि उसे बहते-बहते गांव की कुइया, पोखर और ताल में भरना है। उसे नदियों को जलवती बनाये रखकर धरती की काया में कुओं और बावड़ियों में सबकी प्यास बुझाते रहने के लिए धीरे-धीरे रिसना है।

हमारे पूर्वज पानी के मार्गों पर नहीं, उसके किनारों से अपनी दूरी तय करके सदियों से उसी के करीब बसते रहे हैं। पूर्वजों ने सबके लिए पानी के ठहरने की गहराइयों को भी सदियों तक संजोकर हमेशा साफ़-सुथरा बनाये रखा। सबकी प्यास बुझाने वाली बाबड़ियां हमारी श्रेष्ठतम निर्माण कला का उदाहरण हैं। आज उनकी गहराई में जलविहीन उदास सौन्दर्य अब कितना निष्प्राण लगता है।

पानी कभी अपने बहने का मार्ग और बिलमने की जगहें नहीं भूला। हम ही उसके तालाबों को पूरकर अपनी कालोनी बनाने लगे हैं। पानी के किनारों को तोड़कर और उसके रास्ते को संकरा करके अपनी षष्ठमार्गी (सिक्सलेन) सड़कें बना रहे हैं। पानी हमारी कालोनी में भर रहा है और सड़कों को डुबाकर उखाड़ रहा है। यह पानी के रास्ते पर हमारे दुराचार और अतिक्रमण का फल है।

हमने पर्वतों में संचित और मुक्त झरते जल को भी ऊंचाइयों पर बांधकर रखने का दुस्साहस किया है। पानी का रास्ता रोकने वाली हमारी आधुनिक नदी घाटी परियोजनाओं की लोहे और सीमेण्ट से ढाली गयी ऊंची दीवारें दरक रही हैं। सेतु ढह रहे हैं। गङ्गा सहित सभी नदियों के जल में आधुनिक उद्योगों का जानलेवा रासायनिक कचरा, शहर की कालोनियों का मल-मूत्र और पाखण्ड से भरी पूजा के सड़े हुए बदबूदार फूल बह रहे हैं।

गंगा-यमुना, नर्मदा-ताप्ती, कृष्णा-कावेरी, बेत्रवती-दशार्ण, गोदावरी-इन्द्रावती आदि प्राचीन नदियां अपने-अपने जल मार्ग पर अपने जल का स्वाद लेकर बह रही हैं और हम नदियां जोड़ने की परियोजनाएं बनाकर उनसे अपना स्वार्थ साधना चाहते हैं। नदियों की पहचान मिटाना चाहते हैं। पानी तो सबका स्वार्थ रहित सखा है जो बिना किसी भेदभाव के सबकी प्यास बुझाने को आतुर है और हम उसे बेचकर उसका धंधा करने लगे हैं। गङ्गाजल भी बिक रहा है।

वैदिक ऋषिगण ऋचाएं गुनगुनाते हुए कहते रहे हैं कि... जब पवित्र जल निनाद करते हुए अपने मार्ग पर बहता है तो इसके तृप्तिदायक मधुर संगीत को सुनकर हम कामना करें कि सबके जीवन में इस मंगलकारी जल का सांगीतिक प्रवाह बना रहे। महाकवि तुलसीदास राम के सुयश का गान इसी तरह करते हैं...

सुमति भूमि थल हृदय अगाधू।  
वेद पुरान उदधि घन साधू।  
बरसहिं राम सुजश बर बारी।  
मधुर मनोहर मंगलकारी।

वैदिक और पौराणिक ज्ञानरूपी सागर से उठा साधु रूप बादलों में संचित जल आकाश में छा कर ऐसे बरसता है जैसे राम का मधुर, मनोहर मंगलकारी सुयश बरस रहा हो। सुमति की भूमि पर हमारे हृदय सरोवर में भरा और सब पर करुणा करने वाला यह जल ही तो है जो किसी का दुख देखकर हमारी आंखों में झलक आता है। पूर्वज कहते रहे हैं कि जिस समाज की आंखों का पानी मर जाता है उसका उद्धार संभव नहीं।

धरती के दरके हुए हृदय का दुख जल के सिवा और कौन जानता है। हमारा प्रेम पाकर ही जल अमृत बन जाता है और हृदय से ठुकराया गया जल ही विष बन जाता है। हम कामना करें कि हमारा प्रेम पाकर सारा जल पृथ्वी और हमारे हृदय में संचित होता रहे। वह इतना उज्ज्वल हो कि डूबा साधते ही शरीर पुलकित और वाणी गदगद हो जाये।

क्या यह संभव है कि मकर संक्रांति पर देश की नदियों में स्नान करने निकले करोड़ों लोग अपने घर से तसले और फावड़े लेकर आयें। सब मिलकर नदियों के किनारों और घाटों पर जमें कीचड़ को साफ़ करें और फिर स्वच्छ जल में डूबा साधें। तीर्थ यात्रियों के करोड़ों हाथ अगर नदियों के पक्ष में एक साथ उठ जायें तो एक ही दिन में सब नदियों के जल को स्वच्छ करने की इतनी बड़ी परियोजना को सफल होते हुए पूरा संसार देखेगा।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी  
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय  
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल  
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल  
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)  
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,  
Mobile No.: 09893032101  
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य



अतुल चतुर्वेदी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

# वो शादी क्या जो बिना नृत्य के पूरी हो जाए

शादियों के सावे जोरों पर हैं। वो शादी क्या जो बिना नृत्य के पूरी हो जाए। नृत्य हर विवाह का आवश्यक संस्कार है। जिसके बिना कोई बहू ससुराल घर नहीं पहुंच पाती। शादी और डांस का रिश्ता कुछ कुछ ऐसा है जैसे नेता और बयान। वो नेता ही क्या जो बयान न दे, बयान उसकी खुराक है, पहचान है, अनिवार्यता है। ऐसे ही नाचना आये या न आये शादी में विवाह में इसकी न्यूनतम अनिवार्य योग्यता अत्यावश्यक है। विवाह से एक दिन पूर्व महिला संगीत का आयोजन होता है जिसमें महिलाएं लोक गीत और संगीत भूल कर सिर्फ़ लोक के समक्ष थिरकती हैं। फिल्मी धुनों पर घुटने के दर्द से पीड़ित दुल्हन की माता जी का नृत्य किसी अफ्रीकन आदिवासी नृत्य सा प्रतीत होता है। कोरियोग्राफर के किये धरे पर ऐसे ही पानी फिर गया है जैसे हाई कमान की मेहनत पर कार्यकर्ता फेर देते हैं कभी कभी।

बारात में दूल्हे के बुजुर्ग पिताजी जो वनमानुष शैली में हाथ ऊंचे कर - कर के नाच रहे हैं डायबिटीज के शिकार हैं बेचारे। फ्रोजन शोल्डर से पीड़ित हैं लेकिन नाच रहे हैं जनता की बेहद मांग पर। ये जो हाथ-पैर पटक रहे हैं जोर-जोर से मानो मिर्गी के दौरे आ गए हों। ये दूल्हे के बड़े भाईसाहब हैं। इनकी अपनी ईजाद की हुई शैली है। इनके आते ही मैदान साफ हो जाता है। ऐसा लगता है घोड़ों पर सवार पुलिसवाले आंदोलनकारियों को खदेड़ रहे हों। या इनको भैरू जी आ गए हों। देखिये कैसे नोट न्योछावर हो रहे हैं इन पर ...इससे इनका उत्साह दूना हो गया है। अब ये एक गोल घेरा सा बनाकर नाच रहे हैं। देवी सी आ गयी लगती हैं इन पर। इस बीच दो पैग भी लगा आये हैं ये। जी हां, पैग और शादी का रिश्ता अटूट है। बिन पैग बैरिन भई शादी ...आजकल सुरापान शादियों का स्टेटस सिंबल है। सुरा के बिना नृत्य के ये देव धरा पर उतरते ही नहीं हैं। न ही उनका मूड बन पाता है।

शादी का नचैया फार्म में ही तब आता है जब उसके स्वागत, सत्कार की भरपूर व्यवस्था हो। उसकी कला तब ही परवान चढ़ पाती है। आखिर कुछ तो आंतरिक प्रेरणा चाहिए न कलाकार को। क्या खाली पीली नाचे वो ...उसमें भी आप भांगड़ा, नागिन डांस और कैबरे सबका आनन्द लूटना चाहते हैं एक साथ। ये हैं फूफा जी दूल्हे के। शादी में इनके रौब दाब की किवदन्तियों से आप परिचित होंगे ही। अनादि काल से इनका रूठना कहर ढाता रहा है। लेकिन आज ये मूड बनाकर आये हैं और इनका पसंददीदा डांस है गोरी को पल्लो लटके। इस नृत्य पर ये सिर पर चुन्नी डालकर अपनी भड़ास पूरी करते हैं और सम्पूर्ण स्त्रियोचित भंगिमाएं अश्लीलता का छौंक लगाकर प्रस्तुत करते हैं। अजी, गलत मत समझिये कसूर इनका नहीं है वो अंदर जो घुमड़ रही है न दो घूंट। वही इनको कभी केश्टो मुखर्जी और कभी जॉनी वाकर सी नचा रही है। अब ली है तो हंगामा तो बरपेगा ही। कोई चोरी तो की नहीं है। विवाह का पुण्य अवसर है आज न पियेंगे तो कब पियेंगे? और मुफ़्त की दारू तो सिर चढ़कर बोलती है। बोलती क्या है जी, चिल्लाती है। पुकारती है ...है कोई जो मेरा सामना कर सके।

बिना बोतल और नृत्य के फीका सा लगता है विवाह। रौनक ही नहीं आती। जब तक बारातियों के कमरों से दूसरे दिन सफाई में खाली बोतलें न मिलें। दोस्तों, रिश्तेदारों का माहौल ही नहीं बन पाता। यदि मेजबान चाहता है कि शादी यादगार बने तो उसे इस आइटम पर इन्वेस्टमेंट करना ही पड़ेगा। गए दिन भंग के अंटे और सिगरेट के कश के। सुरा अनिवार्यता है, नृत्य आवश्यकता और विवाह की शांतिपूर्ण समाप्ति मजबूरी। इस मजबूरी के लिए आप भी हंसिये, नाचिए और घोड़ा नृत्य नहीं तो एरोबिक ही करिये। बहरहाल आपका नृत्यमान होना जरूरी है अर्थवान हो न हों। अरेंजमेंट तो करना ही पड़ेगा अंकल जी ...पीछे पड़ गए हैं बेटे के दोस्त बीमा एजेंटों से। उधर पीछे पड़ गयी हैं सालियाँ जीजा जी के ...ठुमके लगाने ही पड़ेंगे प्लीज़। ऐसे न चलेगा ...जीजू। इस मादक मनुहार के आगे ढीले पड़ जाते हैं नए नवेले भावी जीजू। शुरू हो जाते हैं भालू की तरह। बढ़िया है, अभी से अभ्यास में रहेंगे तो आगे दुख नहीं होगा विशेष। नाचना तो है ही देर सबेर आपको। क्यों न पहले ही रिहर्सल कर लिया जाए। जीवन क्या है परिस्थितियों के ताल पर नृत्य और दाम्पत्य क्या है उनकी तान में तान मिलाना। मिला जो सुर तुम्हारा हमारा तो सफर को मिला किनारा वरना न जाने कितनी नावें बीच भंवर में डूब जाती हैं बेसुरी बंदिशों से।

पुस्तक चर्चा

लोकेन्द्र सिंह

समीक्षक

# बाबा साहब के विविध पहलुओं की अभिव्यक्ति

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संबंध में सबने अपने-अपने दृष्टिकोण बना रखे हैं। उनके विचारों एवं व्यक्तित्व को समग्रता से देखने के प्रयास कम ही हुए हैं। बाबा साहब को लेकर राजनीतिक क्षेत्र से उठी एक बहस जब देश में चल रही है, तब एक पुस्तक 'राष्ट्र-ऋषि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर' पढ़ने में आई। अर्चना प्रकाशन, भोपाल से प्रकाशित यह पुस्तक केवल 80 पृष्ठ की है लेकिन लेखक निखिलेश महेश्वरी जी ने 'गागर में सागर' भरने का प्रयत्न बड़ी कुशलता से किया है। बाबा साहब से जोड़कर अक्सर उठने वाली बहसों के लगभग सभी मुद्दों को छूने और उन पर एक सम्यक दृष्टिकोण पाठकों के सामने रखने का कार्य लेखक ने किया है। राजनीतिक और सामाजिक चेतना जगाकर जिस एकात्मता के लिए बाबा साहब ने प्रयास किए, उसी एकात्मता के लिए साहित्य के धर्म का निर्वहन निखिलेश जी ने किया है। लेखक का मानना है कि बाबा साहब आधुनिक भारत के ऋषि हैं, जिन्होंने समाज जीवन का आदर्श प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि निखिलेश महेश्वरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक हैं। आप इस समय देश के सबसे बड़े शैक्षिक संगठन विद्या भारती में मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री हैं। यह पुस्तक पढ़कर पाठक जान सकते हैं कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति संघ में अपार श्रद्धा है। यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि जिस सामाजिक समता का स्वप्न बाबा साहब ने देखा था, वह संघ की शाखा से लेकर समाज में साकार होता दिखायी देता है। इसकी प्रत्यक्ष अनुभूति बाबा साहब से लेकर महात्मा गांधी तक कर चुके हैं।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सन् 1935 में पुणे में आयोजित महाराष्ट्र के पहले संघ शिक्षा वर्ग में आए थे। इस अवसर पर संघ के संस्थापक सर संघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से उनकी भेंट एवं चर्चा भी हुई। वे अपने व्यवसाय के निमित्त दापोली गए, तब वहाँ की शाखा पर भी गए और स्वयंसेवकों के साथ खुलेमन से चर्चा की। इसका उल्लेख भारतीय मजदूर संघ सहित अनेक सामाजिक संगठनों के संस्थापक रहे विचारक दत्तोपंत ठेंगठी ने अपनी पुस्तक 'डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा' में किया है। इसके साथ ही बाबा साहब डॉ. अंबेडकर से जुड़े रहे पूर्व लोकसभा सांसद बालासाहेब सालुंके ने भी इसका उल्लेख किया है। उनके पुत्र काश्यप सालुंके ने भानुदास गायकवाड़ के साथ मिलकर बालासाहेब सालुंके के संस्मरणों एवं विचारों का संकलन किया है- 'आमचं सायेबः दिवंगत खासदार बालासाहेब सालुंके'। इस पुस्तक के पृष्ठ 25 और 53 पर डॉ. अंबेडकर और आएसएस के संदर्भ में उपरोक्त उल्लेख आते हैं। याद रहे कि बाला साहेब सालुंके और उनके पुत्र काश्यप सालुंके का संघ से कोई संबंध नहीं है। सन् 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। सन् 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। सन् 1940 में भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पुणे में संघ की शाखा में गए थे। यहाँ स्वयंसेवकों के समक्ष अपने विचार प्रकट किए। इस संबंध में हाल ही में विश्व संवाद केंद्र, विदर्भ ने 9 जनवरी 1940 को प्रकाशित प्रसिद्ध मराठी दैनिक समाचारपत्र 'केसरी' की प्रति साझा की है। इसके बाद भी उनका संघ के साथ संपर्क बना रहा। संघ पर लगे पहले प्रतिबंध को हटाने में बाबा साहब का जो सहयोग एवं परामर्श मिला, उसके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्रीगुरुजी' ने सितंबर-1949 में बाबा साहब से दिल्ली में भेंट की। इसी तरह, महात्मा गांधी ने भी निकट से संघ दर्शन किया। उन्होंने तो संघ के शिविर और शाखा में जाने का उल्लेख स्वयं ही किया है।

बहरहाल, 'राष्ट्र-ऋषि बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर' में लेखक निखिलेश महेश्वरी ने बाबा

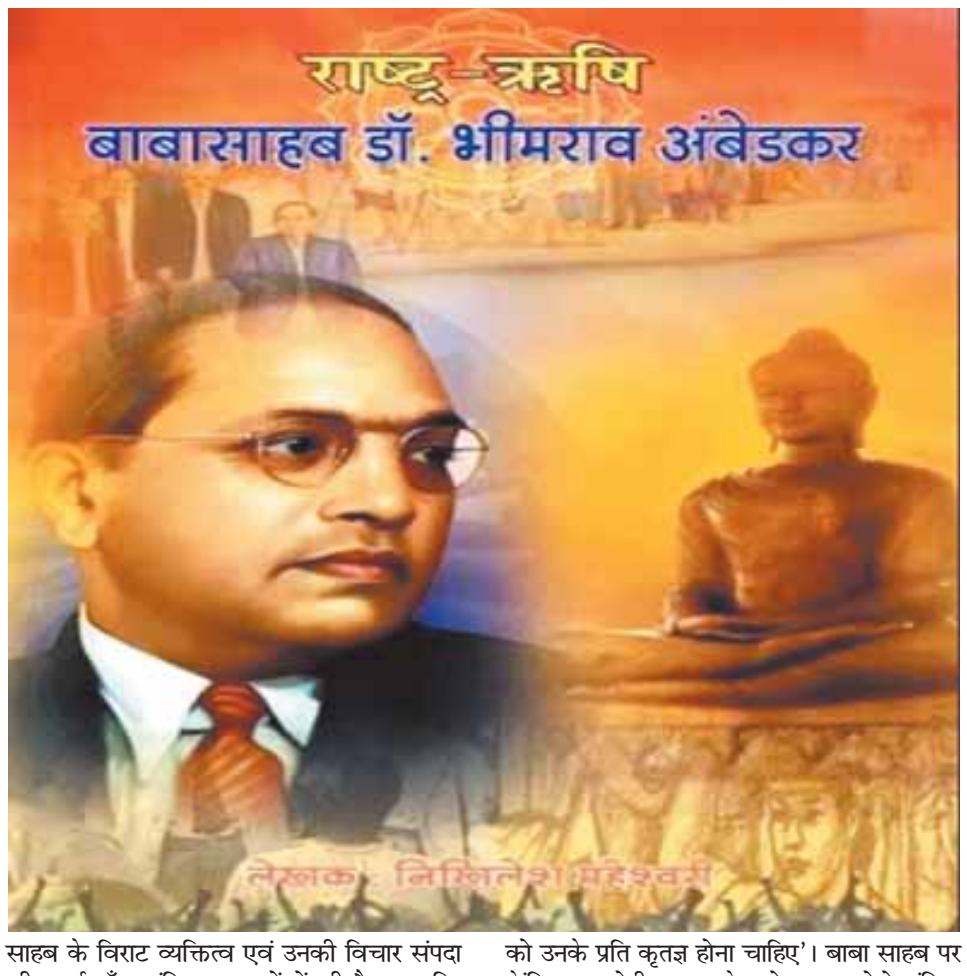


साहब के विराट व्यक्तित्व एवं उनकी विचार संपदा की चर्चा पाँच संक्षिप्त अध्यायों में की है- पृष्ठभूमि, जीवन संघर्ष, जीवन यात्रा के सहयोगी, विविध विषयों पर विचार, इस्लाम और ईसाईयत। लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि बाबा साहब किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं थे अपितु वे संपूर्ण समाज के नायक हैं। लेखक ने लिखा भी है कि 'डॉ. अंबेडकर के कार्यों के लिए संपूर्ण राष्ट्र को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए'। बाबा साहब पर केंद्रित इस छोटी पुस्तक के बड़े महत्व को रेखांकित करते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलाधिपति डॉ. प्रकाश सी. बरतूनिया लिखते हैं- 'यह पुस्तक भारतीय समाज में जाति भेदभाव समाप्त करने तथा सामाजिक समरसता का वातावरण निर्मित कर देश की एकता और अखंडता को दृढ़ करने की दृष्टि से बहुत उपयोगी होगी'।

पुस्तक की भाषा-शैली सहज-सरल है। लेखक तर्कों-तथ्यों के साथ अपनी बात को पाठकों तक पहुँचाने में सफल होते दिखायी देते हैं। निखिलेश जी ने कई नये प्रसंगों एवं जानकारियों को सामने लाकर, उस दिशा में गहन शोध का मार्ग प्रशस्त किया है। एक अध्याय यह स्मरण कराता है कि बाबा साहब के संघर्ष और आंदोलन में उन्हें हिन्दू समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिला। अकसर कुछ लोग अपने छिपे हुए स्वार्थों के चलते 'जय भीम' के साथ 'जय मीम' के खोखले नारे को चिपकाने का प्रयास करते हैं। इस पुस्तक में बेबाकी से उन तथ्यों को उजागर किया गया है, जिनसे पता चलता है कि बाबा साहब इस्लाम और ईसाईयत के संबंध में किस प्रकार के विचार रखते थे। इन विचारों को यदि बाबा साहब के नाम के बिना लिखा या बोला जाए तो लोग कहेंगे कि ये किसी कट्टर हिन्दू नेता के विचार हैं। अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए जो राजनीतिक दल अचानक से अपना 'अंबेडकर प्रेम' प्रकट कर रहे हैं, क्या वे बाबा साहब के उन विचारों से सहमति प्रकट करेंगे जो उन्होंने इस्लाम और ईसाईयत के संबंध में व्यक्त किए हैं। निःसंदेह, वे भाग खड़े होंगे। उन्होंने अब तक बाबा साहब के विचारों पर पर्दा डालने का ही काम किया है। बाबा साहब के विचारों पर समग्रता से ने तो अध्ययन हुआ है और न होने दिया है।

लेखक निखिलेश महेश्वरी की यह पुस्तक उन सभी को पढ़नी चाहिए, जो बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन एवं विचारों के दूसरे पहलुओं को जानना चाहते हैं। याद रखें कि किसी भी महापुरुष का समग्रता से अध्ययन करना चाहिए। उनके विचारों को एक विशेष दृष्टिकोण से नहीं अपितु तत्कालीन संदर्भ और प्रसंग के साथ देखना चाहिए।

पुस्तक - राष्ट्र-ऋषि बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर

लेखक - निखिलेश महेश्वरी

मुद्दा

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

# यह 'नोट के बदले वोट' नहीं तो और क्या है?

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे शिवसेना पार्टी के बुलढाना के विधायक संजय गायकवाड़ ने उन्हें वोट न देने वालो पर तंज कसते हुए कह दिया कि 'यहां के मतदाता 2, 5 हजार व शराब के लिए बिक गये। इससे तो अच्छी 'वेश्या' है।' गायकवाड ने यह शायद इसलिए कहा क्योंकि वे हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में बुलढाना विधानसभा से मात्र 841 वोट से जीत पाए। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि ''सोचिये अगर मैं हार गया होता, तो क्या ये सारे प्रोजेक्ट हुए होते या हो सकते थे''। विधायक गायकवाड़ की इस निम्नस्तरीय टिप्पणी पर राजनीतिक गलियारों में भूचाल आ गया। प्रश्न यह है कि क्या गायकवाड का कथन गलत था? या उस कथन में 'कुछ सत्यता' भी थी? गायकवाड़ ने राजनीति से अच्छी वेश्या कहा। यह शब्द सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त नहीं होता। सामान्यतः ''आर्थिक मजबूरी'' के चलते जब कोई महिला पैसे के लिए अपनी अस्मिता का सौदा करती है, तो उसे वेश्यावृत्ति कहा जाता है। हालांकि आज के जाग्रत समाज में भी वेश्यावृत्ति एक कलंक है। हाल में आई एक रिपोर्ट में बतलाया गया है कि देश में 1955 के बाद से आज अमीर-गरीब के बीच सबसे ज्यादा अंतर है। अर्थात् चौतरफा समग्र विकास न होकर 'अमीर और अमीर व गरीब और गरीब हो गया।' वैसे पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं के प्रति मानसिकता में बदलाव होकर भावनाएं स्वस्थ्य हो जाती, तो समाज से वेश्यावृत्ति का दाग ही समाप्त हो जाता। इसी प्रकार परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होकर अपने बुजुर्गों के प्रति जिम्मेदारी का अहसास व व्यवहार में सम्मान की भावना पूर्णरूप हो जाती, तो वृद्धाश्रम भी समाप्त हो जाते।

यहां मूल प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में मतदाताओं का कुछ प्रतिशत पैसे के लिए वोट देता है? इसे आप चार श्रेणी में रख सकते हैं। प्रथम जहां मतदाता न तो पैसे लेते हैं और न ही उसमें सहयोग करते हैं। दूसरा, कुछ चालाक मतदाता पैसे तो ले लेते हैं, लेकिन अपना वोट मेरिट के आधार पर देते हैं! जैसे दिल्ली में प्रवेश वर्मा से 1000 रू नगद लेने वाली कुछ महिलाओं ने 'आप पार्टी' को वोट देने की बात की। तीसरा वर्ग जो पहले से ही नोट देने वाली पार्टी को वोट देता आया है, और पैसे भी ले लेता है। चौथा वर्ग वह है जो वास्तव में 'नोट के बदले वोट' की श्रेणी में आते हैं, जो अपना जमीर ही बेच देते है। और यही वर्ग लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

क्या मुफ्त योजनाएं-वोट की खरीद-फरोख्त नहीं हैं? इस प्रश्न का उत्तर आप पिछले दिनो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड विस चुनावों की रिपोर्टों को पढ़ सुन कर समझ सकते हैं, जहां लाडली बहना, मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना, मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण आदि नामों से रू. 1000 से रू. 2500 नगद दे रहे हैं या देने

का आश्वासन दे रहे हैं ताकि चुनाव जीता जा सके। यह नोट के बदले वोट नहीं तो क्या है? इन योजनाओं की कांग्रेस द्वारा लाई गई ' मनरेगा ' योजना से तुलना कीजिए! जो 'मुफ्त' न होकर 'कुछ सेवा के बदले अधिक मेवा' देने का प्रयास था, जिसे आज भी भाजपा सरकार लागू कर रही है। एक एक वोट महाराष्ट्र में 10-10 हजार रू. व दिल्ली में प्रवेश वर्मा द्वारा 1 हजार रू. से वोट खरीदे जाने के वीडियो वायरल हुए। वैसे मुफ्त की योजनाएं, 'रेवड़ियों' के संबंध में एक याचिका उच्चतम न्यायालय में वर्ष 2022 से ही लम्बित है।

पैसे का राजनीति व चुनाव पर गहरा प्रभाव पडता है। इससे किसी भी पक्ष, पार्टी, जनता चुनाव आयोग किसी को भी इंकार नहीं है। मूलभूत जीवनयापन की सुविधाओं को लेकर उसे मुद्दे बनाकर चुनाव लड़ने के बजाए पैसे के बल पर मतदाता खरीद लिये जाते हैं, जो चुनाव परिणाम को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। चूंकि संजय गायकवाड़ की पार्टी जब खुद चुनाव में पैसे बांटकर वोट खरीद रही थी, जिसका वीडियो वायरल हुआ था, उन पर प्रश्नचिन्ह उठना स्वाभाविक है। क्योंकि उनके दूसरे राजनीतिक साथी, दल भी तो पैसा बांट रहे हैं? उनके विरूद्ध तो गायकवाड ने बयान नहीं दिया? ठीक उसी प्रकार जैसे जब खुद चकला चलाने वाला दूसरे परवेश्यावृत्ति का आरोप लगाए? शायद इसीलिए संजय गायकवाड की क्लास ली गई। यह आश्चर्य की बात है कि किसी भी एक व्यक्ति ने जनता को नहीं चेताया कि आप पैसे लेकर अपना वोट क्यों देते हैं? मतदान आपका मूल संवैधानिक अधिकार है, जो आपकी भविष्य की किस्मत को तय करता है। यदि लोकतंत्र को वास्तव में बचाना है तो, यह नेता नहीं बल्कि जनता की समझदारी व विवेक के उपयोग पर ही निर्भर है। बड़ा प्रश्न यह है कि उक्त 'तत्व' आएंगे कहां से?

स्मृति शेष : कृष्णकुमार अष्ठाना

# देवपुत्र का देव हो जाना : एक आदर्श 'स्वयंसेवक' की विदाई

विकास दवे

लेखक मप्र साहित्य अकादमी के निदेशक हैं।

कृष्णकुमार अष्ठाना (पुत्र स्व. लक्ष्मीनारायणजी अष्ठाना) का जन्म 15 मई 1940 को आगरा जिले के ऊँटगिर ग्राम में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा मुरैना में हुई। प्रखर प्रज्ञा के धनी श्री अष्ठाना की प्राथमिक, स्नातक शिक्षा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में रहते हुये हुई। वहीं से स्वाध्यायी छात्र के रूप में 'इतिहास' और 'राजनीतिक विज्ञान' से स्नातकोत्तर अध्ययन विभिन्न विश्वविद्यालय से स्वाध्यायी छात्र के रूप में पूर्ण किया। बी. एड. और सहित्यरत्न करने के बाद उनकी शिक्षण अभिरुचियों ने और भी प्रखरता प्राप्त की।

शिक्षा की सार्थकता उसके कई गुना प्रदाय में ही है। श्री अष्ठाना को सौभाग्य और मेधा के कारण अत्यन्त अल्पायु में ही शिक्षक का दायित्व वहन करने का अवसर प्राप्त हुआ। स्वाभाविक रूप से प्रतिभावान श्री अष्ठाना शीघ्र ही व्याख्याता बने और उन पर दृष्टि पड़ी कुछ पारखियों की। प्राचार्य के रूप में आचार्य गिरिराज किशोर जी का सान्निध्य जहाँ पारस स्पर्श सा रहा, वहीं अनेक ख्यातनाम शिक्षाशास्त्रियों ने उन्हें प्राचार्य बनाकर जब बरई जैसे दूरस्थ स्थान पर भेजा, तब अपेक्षाएँ तो थीं ही, थोड़ी आशंका भी थी। कारण था विद्यालय तक का पहुँच मार्ग, बस के पहुँच स्थान से पूरे 14 मील का पैदल रास्ता और मध्य में दो नदियाँ जिन्हें नाव या तैरकर ही पार किया जा सकता था। दूसरा कारण था सहयोगी शिक्षकों का प्राचार्य से अधिक आयु का होना। खैर... सब आशंकाएँ निर्मूल सिद्ध हुई और तपकर कुंदन से निकले अध्यापक अष्ठाना। 16 वर्षों का यह अध्यापक अष्ठाना आज भी 30 वर्ष के पत्रकार अष्ठाना पर हावी है।

**पत्रकार अष्ठाना**

1973 में घटनाक्रम ने तेजी से करवट ली और तत्कालीन सरसंघचालक श्री सुदर्शन जी ने अष्ठाना की कार्य दिशा ही बदल दी। व्यक्तियों के पारखी श्रीसुदर्शनजी ने अष्ठाना के अन्दर बैठे श्रेष्ठ लेखक को पहचान लिया और उन्हें दैनिक, 'स्वदेश' के संपादक का दायित्व निर्वाह करने के लिए राजी कर लिया। उन्हें मुंबई के एक प्रख्यात संस्थान में पत्रकारिता के मूल मंत्र सीखने को मिले। उन्होंने संपादक और प्रबंध संपादक के रूप में 'स्वदेश' को 12 वर्ष में नई ऊँचाईयाँ प्रदान की। इस बीच उन्होंने अनेक सामयिक पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। प.पू. गुरुजी (मा.स. गोलवलकरजी) के गुरु भाई स्वामी अमूर्तानन्दजी के स्नेहपात्र होने के कारण श्री अष्ठाना को उनके स्मृतिग्रन्थ 'एक और नन्दादीप' के सम्पादन का सौभाग्य मिला। मध्यभारत प्रान्त के तात्कालिक प्रान्त प्रचारक मा. शरदजी मेहरोत्रा के तपस्वी जीवन के स्मरण पुष्पों को 'समिधा' के रूप में एकत्र करने का सुअवसर भी उन्हें प्राप्त हुआ।

वर्तमान में उनके कुशल मार्गदर्शन का प्रसाद पा रहा है बाल मासिक 'देवपुत्र'। विगत चार दशकों में देवपुत्र ने तेजी से छलांग लगाते हुए एक लाख की प्रसार संख्या को पार कर लिया है। आज 'देवपुत्र' बाल साहित्य के क्षेत्र में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर चुका है।

मासिक 'जागृत युगबोध' भी श्री अष्ठाना के सम्पादकत्व में श्रेष्ठ स्वरूप प्राप्त कर पाठकों का चहेता बना रहा।

श्री अष्ठाना इन्दौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष तथा म.प्र. समाचार पत्र संघ के उपाध्यक्ष, इन्दौर समाचार पत्र संघ के सचिव रह चुके हैं। अ.भा. समाचार पत्र सम्पादक सम्मेलन (ए.आई.एन.ई.सी.) तथा इण्डियन एण्ड ईस्टर्न न्यूज पेपर्स सोसायटी (आई.ई.एन.एस.) के भी सदस्य रहे हैं।

**शिक्षा के क्षेत्र में अष्ठाना**

अपने जीवन के प्रारंभिक काल में अध्यापक की भूमिका निर्वाह करने के कारण श्री अष्ठाना की रुचि इसी क्षेत्र में अधिक रही। यही कारण रहा कि बाल मनोविज्ञान के ज्ञाता और शिक्षा जगत के श्रेष्ठ अध्येता के रूप में भी वे शीघ्र ही स्थापित हो गए।

विद्याभारती की प्रांतीय इकाई 'सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान' के वे अनेक वर्षों तक सचिव रहे। तत्पश्चात वे विद्याभारती मध्यक्षेत्र अर्थात् मध्यभारत, महाकौशल और छत्तीसगढ़ प्रांत के सचिव रहे। 'विद्या भारती' अ.भा. कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे। वे माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. के भी अनेक वर्षों तक सदस्य रहे। आपने 'दयानन्द शिक्षण समिति' के उपाध्यक्ष का दायित्व निर्वाह किया तथा प्रदेश के प्रतिष्ठाप्राप्त आवासीय विद्यालय 'शारदा विहार', भोपाल

और सरस्वती विद्यापीठ, शिवपुरी के मार्गदर्शक रहे हैं। प्रदेश की अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के मार्गदर्शक के रूप में भी आपकी भूमिका सराहनीय रही।

**मीसा का काला अध्याय और श्री अष्ठाना**

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के शर्मनाक पृष्ठों में गिना जाता है 'मीसा' का वह काल। श्री अष्ठाना और श्री माणिकचन्दजी वाजपेयी 'मामाजी' की धारदार लेखनी तत्कालीन शासन के लिए गले की फाँस बनी हुई थी। उस समय 'स्वदेश' ही ऐसा समाचार पत्र था जिसके संचालकों से लेकर मशीन मेन तक जेल में ठूँस दिए गये थे। श्री अष्ठाना को तो मीसा की घोषणा के दूसरे दिन से लेकर आपातकाल हटने की घोषणा होने तक 22 माह से भी अधिक समय जेल में रहना पड़ा। उस समय बन्दीगृह में बिताने वाली यह सर्वाधिक लंबी समयावधि रही। मा. श्री सुदर्शनजी और मामाजी भी इन्दौर जेल में उस समय साथ ही रहे। परिवार और स्वयं के लिए अत्यन्त कठिनाई में गुजरा यह काल अष्ठानाजी ने यह गाते हुए हँसी-हँसी में गुजार दिया-

'कितने ही विघ्न आए,
आपातकाल लाए,
कारा की यातनाएँ ले,
मृत्युदूत आए,
पर हम अडिग रहे माँ,
तेरी ही थी ये करुणा,
सब सह लिया है जननी
तेरी शक्ति के सहारे।'

**सामाजिक भूमिका में अष्ठाना**

समाज में चलने वाली प्रत्येक सामाजिक गतिविधि से जुडने में श्री अष्ठाना कभी संकोच नहीं करते। रोटरी क्लब सेन्ट्रल, इन्दौर के वे मानद सदस्य रहे। रोटरी क्लब अपटान, इन्दौर के भी वे मानद सदस्य रहे। प्रेस क्लब इन्दौर तथा म.प्र. प्रेस क्लब के भी वे मानद सदस्य हैं। नगर पालिका निगम, इन्दौर द्वारा महानगर के वरिष्ठ विचारकों का एक समूह बनाया गया है जिनसे समय-समय पर मार्गदर्शन प्राप्त कर नगर पालिक निगम आपनी योजनाएँ तैयार करती है, इसमें भी श्री अष्ठाना का विशिष्ट स्थान है।

रा. स्व. संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक के नाते उनकी भूमिका उल्लेखनीय है। वरिष्ठ स्वयंसेवक होने के कारण वे समान रूप से 'स्वदेशी जागरण मंच' 'अ.भा. विद्यार्थी परिषद्', 'विश्वहिन्दू परिषद्', 'भा.ज.पा.', 'भारतीय मजदूर संघ', 'विद्या भारती', 'सर्व पंथ समादर मंच', 'प्रबुद्ध भारती', 'अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद' सहित अनेक आनुषंगिक संगठनों के माननीय एवं मार्गदर्शक हैं।

**लेखक के रूप में अष्ठाना**

श्री अष्ठानाजी के पैने सम्पादकीय के माध्यम से उनकी लेखनी से सभी परिचित हैं। इस धारदार लेखनी को हम सबने अनेक समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, स्मारिकाओं आदि में पढ़ा। स्वामी अमूर्तानन्द जी के जीवन पर प्रकाशित पुस्तक 'एक और नन्दादीप', स्व. भाऊ साहब भुस्कुटे के जीवनपर आधारित 'स्मृति', स्व. शरद जी मेहरोत्रा के जीवन पर आधारित 'समिधा' जैसी पुस्तकों का लेखन, सम्पादन अविस्मरणीय रहा। 'नव दधीचिः गुरु तेगबहादुर' पुस्तक तो सन्दर्भ ग्रन्थ के रूप में वर्षों तक सहेजी जाएगी। यही कारण है कि उन्हें उ.प्र. हिन्दी संस्थान के बाल साहित्य पर दिए जाने वाले पुरस्कार की चयन समिति में भी रखा गया। आकाशवाणी से भी आपकी वार्ताओं तथा आलेखों का प्रसारण होता रहा।

**प्रसिद्धि पराङ्मुख व्यक्तित्व का सम्मान**

श्री अष्ठाना के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे बड़ा सा बड़ा कार्य सम्पन्न करके अंतिम पंक्ति में खड़े हो जाते हैं। नेपथ्य में रहकर दिग्दर्शन करने वाला यह व्यक्तित्व पारखियों की दृष्टि से कब तक बचता? उन्हें अब तक मिले सम्मानों पर एक दृष्टि-

1. मध्यभारत हिंदी साहित्य सभा, ग्वालियर द्वारा सम्मान (सन् 1996)
2. नागरी बाल साहित्य सम्मान, बलिया (सन् 1996)
3. भारतीय बाल कल्याण संस्थान, कानपुर द्वारा बनारस में सम्मान (2001)
4. अ.भा. नवोदित साहित्यकार परिषद द्वारा सम्मान (2002)
5. बाल साहित्य, संस्कृति कला विकास संस्थान, बस्ती द्वारा 'सम्पादक रत्न' सम्मान (सन् 2000)
6. 1998 का 'मालवा शिक्षा' सम्मान।
7. भारत राष्ट्र परिषद् इन्दौर- (सन् 2003)
8. मध्यभारत हिन्दी साहित्य सभा का शताब्दी वर्ष का बाल साहित्य सम्मान (सन् 2003)
9. 'मनिषिका' संस्था कलकत्ता द्वारा बाल साहित्य सम्मान (सन् 2003)
10. 'बाल वाटिका' पत्रिका भीलवाड़ा (राजस्थान) द्वारा सम्मान।
11. 'साहित्य कलश' इन्दौर द्वारा श्रीकृष्ण सरल सम्मान।
12. सूर्योदय सम्मान
13. राष्ट्रीय बाल साहित्य सम्मान अकोला (चित्तौडगढ़)
14. हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा श्रेष्ठ सम्मेलन सम्मान। (सन् 2002)

इन सबके अतिरिक्त कई सम्मानों की एक विशाल सूची है। संक्षेप में यही कहना पर्याप्त होगा कि उनकी साधना के आगे वैसे तो इन सम्मानों का कोई महत्व नहीं, परन्तु श्री अष्ठाना से जुड़कर सम्मानों ने सार्थकता प्राप्त की है।

# ऑनलाईन फार्मेसी प्लेटफार्म अवैध, रेलटेल अपने निर्णय पर विचार करे

## कारोबार को बढ़ावा देने का यह प्रयास गलत, केमिस्टों ने जताया विरोध

**धार।** कोरोना में अस्थाई रूप से प्रारंभ की गई आनलाईन दवाई मंगवाने की व्यवस्था वर्तमान में नियमों के अंतर्गत नहीं है। अधिसूचना केवल स्थानीय और पंजीकृत फ़ार्मेसी पर लागू थी, न कि किसी भी आनलाइन प्लेटफॉर्म पर। रेलटेल द्वारा आनलाईन फार्मेसी के लिए दर बुलाए जाने का निर्णय पूर्णत- गलत है। अवैध रूप से आनलाईन फार्मेसी व्यवस्था को बढ़ावा देने के इस निर्णय पर रेलटेल पुनः विचार करें। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन इस तरह के अवैध व्यापार की निंदा करती है एवं रेल मंत्रालय से पुनर्विचार की मांग करती है। यह बात केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के धार जिलाध्यक्ष पत्रकार पंडित डॉ अशोक शास्त्री ने कही। उन्होंने कहा कि रेलटेल के इस निर्णय पर एआईएसओडी भी हैरान है।

**सुरक्षित एवं निर्बाध सेवा उद्देश्य-** डॉ शास्त्री ने कहा कि आल इंडिया आर्गनाइजेशन आफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स देश के साढ़े 12 लाख से अधिक केमिस्टों का प्रतिनिधित्व करता है। जिले में इसके अधीन एसोसिएशन काम करती है। 65 लाख से अधिक सदस्य इस संस्था का परिवार है। संस्था का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को दवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना है। संस्था सरकारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सेवा प्रदान करती है। रेल टेल के निर्णय से संस्था एवं सदस्यों को हैरानी एवं निराशा हो रही है। रेलटेल घर-घर उपभोक्ताओं को दवाइयां पहुंचाने के लिए अवैध आनलाईन फार्मेसी प्लेटफार्म से बिड्स आमंत्रित कर रही है, जबकि देश में ई फार्मेसी का संचालन अवैध है। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने वर्ष 2018 में कुछ प्रकरणों में आनलाईन फार्मेसियों के संचालन पर रोक लगाई है। यह आदेश आज भी यथावत है। इसके बावजूद इसे नजर अंदाज करके रेलटेल बिड्स आमंत्रित करके नियमों का उल्लंघन कर रही है।

भारत में वर्तमान में आनलाइन फार्मेसियों के लिए किसी भी प्रकार का प्रावधान ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 या उसके नियमों के तहत नहीं है। यह बात केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भी स्वीकार की है। एक्ट के अनुसार भी दवाइयों का वितरण लाईसेंस प्राप्त परिसर के भीतर ही किया जा सकता है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट की धारा 65 के तहत प्रिस्क्रिप्शन पर प्रिस्क्राइबर के हस्ताक्षर, विक्रेता का नाम और पते के साथ वितरण की तारीख का उल्लेख करना अनिवार्य है। यह शर्तें आनलाइन फार्मेसी प्लेटफॉर्म के संचालन को स्पष्ट रूप से अवैध बनाती हैं।

# व्यापारी महासंघ ने मकर संक्रांति पर्व पर प्रसाद वितरण

**धार।** सकल व्यापारी महासंघ धार द्वारा मंगलवार को मकर संक्रांति के पावन पर्व के अवसर पर नगर के भोज हॉस्पिटल चौराहा मांडव रोड धार पर अन्नप्रसादी का वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे महिलाएं एवं पुरुषों ने प्रसादी ग्रहण की अध्यक्ष प्रवीण टांक ने बताया कि सेमी होल सेल व खेरची व्यापारी महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के पर्व पर अन्न प्रसादी का वितरण किया जाता है। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष प्रवीण टाक सचिव पारस जैन, गौरव जैन, प्रकाश सोलंकी, शांतिलाल शर्मा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा , भय्युराम गुप्ता (सांप वाले बाबा) कमल हारोड ,अक्षत जैन , योगेश सोलंकी, जयेश जैन, रवि जैन, रूपेश बड़जात्या सुंदर लाल यादव सहित बड़ी संख्या में व्यापरीगण उपस्थित थे जानकारी मीडिया प्रभारी गौरव जैन ने दी ।

# समेरिटंस ग्रुप में उत्साह से मनाया मकर संक्रांति पर्व

**नर्मदापुरम।** समेरिटंस ग्रुप के विद्यालयों में मंगलवार को मकर संक्रांति का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान सांदीपनी परिसर नर्मदापुरम में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जबकि प्रमोद शर्मा ने पर्व का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें सामाजिक एकता और समन्वय का संदेश देता है। समूह में पिपरिया और सोहागपुर विद्यालय में बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर सूर्य ओर पतंग बनाई।

# कंकर घाट को जेसीबी से खोदना प्राकृतिक रचना के साथ खिलवाड़,जिम्मेदारों पर कार्यवाही हो : अखिलेश खंडेलवाल..

**नर्मदापुरम।** नर्मदा तट पर स्थित कंकर घाट जो कि अपना अलग ही ऐतिहासिक महत्व रखता है प्राकृतिक की अनुपम रचना है, जेसीबी पोकलेन से खोदकर निर्माण सामग्री के रूप में उसका पिचिन निर्माण ठेकदार द्वारा उपयोग किया जा रहा है, उसे इस निर्माण एजेंसी विभाग के अधिकारी भी प्रश्रय दे रहे हैं। यह शिकायत आज प्रभारी मंत्री राकेश सिंह को करते हुए भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल ने पत्र दिया। इसमें जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उनके द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक रचना से बाढ़ के समय शहर सुरक्षित रहता है और यह नर्मदा के सौंदर्य को भी बढ़ाती है पर पैसों के लालच में इसका उत्खनन कर नर्मदा ओर शहर को नुकसान पहुंचाने का कृत्य निंदनीय है।ऐसे लोगों पर कार्यवाही होना चाहिए।

# अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शोभायात्रा निकाली..

**नर्मदापुरम।** आज़ प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने युवा दिवस के अवसर पर दिन सोमवार को निकाली भव्य शोभायात्रा, यात्रा सरदार वल्लभ भाई पटेल सतरस्ते से निकल कर सराफा बाजार एवं शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए जयस्तंभ चौक पर पहुंची। जहां पर खुला मंच कार्यक्रम का आयोजित किया गया था। जयस्तंभ चौक पर ही बच्चों द्वारा संस्कृति कार्यक्रम, शोभायात्रा के दौरान भारी छात्र संख्या उपस्थित रही । शोभा यात्रा में अनेक प्रकार की झांकियां सजाई गई। जिसमे पंच परिवर्तन से संबंधित झांकी , देवी अहिल्याबाई होलकर से संबंधित झांकी मुख्य आकर्षण रही। झांकियो द्वारा भारतीय संस्कृति को दर्शाया गया, शोभायात्रा का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद एवं अन्य महापुरुषों के जीवन परिचय से विद्यार्थियों को अवगत कराना एवं विद्यार्थियों के मन में राष्ट्र प्रथम का भाव जागृत करना है, देश की संस्कृति से युवाओं को परिचित कराना एवं उन्हे सही मार्गदर्शन दिखाना भी है। खुले मंच के माध्यम से नगर मंत्री कुणाल सराठे ने बताया कि किस तरह आज की युवा पीढ़ी अपने लक्ष्य से भटक रही है।

# ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस को लेकर घबराने की जरूरत नहीं, सावधानी और सतर्कता जरूरी

## छींकते, खांसते वक्त नाक और मुँह को रुमाल से ढंकें, बच्चों और बुजुर्गों को भीड़ वाली जगह न लेकर जायें

**संजय द्विवेदी, बैतूल।** ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) श्वसन तंत्र रोग को लेकर लोगों में डर बैठता जा रहा है। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि पूरे देश ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का सामना किया। कई जाने चली गई। कोरोना में लोगों ने अपनों को खो दिया। अभी कई लोग इस पीड़ा से उभरे भी नहीं है कि अब एचएमपीवी वायरस को लेकर देश में केस सामने आ रहे है। ऐसे में डॉक्टरों का मानना है कि यह सामान्य वायरस है। इसे लेकर सावधानी जरूरी है, घबराना नहीं है। इसमें इमरजेंसी जैसी स्थिति नहीं है। बैतूल जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि वर्ष 2001 से यह वायरस विश्व में व्याप्त है। कभी-कभी ही आउऊ ब्रेक होता है। हालांकि अभी शासन स्तर पर इस वायरस को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है, लेकिन सतर्कता का जरूरी कहा है। यह अन्य श्वसन तंत्र रोगों के समान ही सामान्य सर्दी-जुकाम एवं फ्लू मौसम जैसे लक्षणों के साथ सर्दी में होता है। सीएस श्री घोरे ने बताया कि देश में अभी 6-7 ही ऐसे केस आए है। वर्तमान तक मप्र में किसी भी रोगी में ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) की पुष्टि नहीं हुई है।

**मौखिक एडवाइजरी जारी, निर्देश नहीं-** ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) को लेकर अभी सरकार की ओर से कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, केवल मौखिक रूप से दिशा-निर्देश दिये है। सिविल सर्जन श्री घोरे ने बताया कि एचएमपीवी वायरस से बचने के लिए भीड़ वाले एरिया में जाने से बचे। उपयोग किया टिश्यू पेपर, रूमाल दोबारा उपयोग नहीं करें। हाथ मिलाने से बचें। बिना डॉक्टर की सलाह से दवा सेवन नहीं करें। बार-बार आंख मुंह, नाक को छूने से बचें। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचें। श्री घोरे का कहना है कि यह अन्य श्वसन तंत्र रोगों के समान ही सामान्य सर्दी-जुकाम एवं फ्लू मौसम जैसे लक्षणों के साथ सर्दी में होता है।

**जिला अस्पताल तैयार, सुविधाएं उपलब्ध-** जिला अस्पताल में एचएमपीवी वायरस को लेकर प्राय-प्राय-तैयारियां पूरी रखी है। सिविल सर्जन श्री घोरे ने बताया कि रोगियों के उपचार के लिए पर्याप्त बेड, ऑक्सीजन बेड है। इसके अलावा जो भी जरूरी सुविधाएं और सेवाएं है, उनकी तैयारी है। कोरोना के वक्त से ही ऑक्सीजन बेड बनाये गये थे। यदि शासन स्तर से कोई अलग से गाइडलाइन जारी होती है तो उसके अनुसार कार्य किया जायेगा। यदि कोई एचएमपीवी मरीज मिलता भी है तो जिला अस्पताल में पर्याप्त व्यवस्था पहले से ही उपलब्ध है। बस लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक सामान्य वायरस है। इसमें इमरजेंसी जैसी स्थिति नहीं है।

### एचएमपीवी वायरस के यह हैं लक्षण

जानकारी के अनुसार एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस इंफेक्शन) श्वास से जुड़ा वायरस है। इसमें मरीजों को खांसी, बुखार, श्वास लेने में तकलीफ होती है। आमतौर पर इसके सर्दी-खांसी, बुखार जैसे लक्षण है। यह वायरस ब्रोंकाइटिस या निमोनिया का कारण बन सकता है। इस वायरस की चपेट में बच्चे, युवा, बुजुर्ग सभी आ सकते है। खासतौर पर इसका असर बच्चों पर अधिक देखने को मिल सकता है। इस वायरस से सभी को सजग रहने की जरूरत है। जानकार बताते हैं कि इस वायरस से लोगों को डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन इस वायरस की चपेट में आने से बचने के लिए सावधानी रखनी जरूरी है। इस वायरस से बचने के लिए लोग मास्क का उपयोग कर सकते है, साथ ही भीडभाड वाले क्षेत्र में जाने से बचें। सोशल डिस्टेंसिंग रखना भी जरूरी है।

### यह रखें सावधानी -

(1) बच्चों बुजुर्गो व किसी गंभीर रोगी से विशेष सावधानी बरतें।
(2) छींकते, खांसते हुए नाक और मुँह को रुमाल, टिशू पेपर से ढंके।
(3) कहीं भी भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें।
(4) अपने हाथों को साबुन से हाथ साफ करें या सेनेटाइज करें।
(5) अधिक मात्रा में पानी पिए और पौष्टिक आहार लें।
(6) सर्दी बुखार जुकाम होने पर डॉक्टर की सलाह लें।

### इनका कहना है -

ह्यूमन वायरस (एचएमपीवी) के प्रति पैनिक (घबराने) होने की जरूरत नहीं है। यह एक सामान्य वायरस है। इसे लेकर सरकार से कोई गाइडलाइन तो जारी नहीं हुई है, लेकिन मौखिक निर्देश जरूर मिले है। जिला अस्पताल वायरस से निपटने के लिए तैयारी भी पूरी है।

**- डॉ. जगदीश घोरे,** सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय बैतूल

# पतंग व चकरी पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

## हिन्द रक्षक संगठन ने तिल गुड़ के साथ 5001 पतंग एवं 3000 चकरी का वितरण किया

**देवास।** संस्था हिन्द रक्षक संगठन द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस 20 वें वर्ष में भी मकर संक्रांति पर्व हर्षोल्लास व पारम्परिक रूप के साथ मनाया। कार्यक्रम आयोजक पार्षद एवं नगर निगम नेता सत्तापक्ष मनीष सेन ने बताया कि मंगलवार को को नावेल्टी चौराहा पर आयोजित विशाल पतंग महोत्सव के मुख्य अतिथि विधायक गायत्रीराजे पवार, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल, सभापति रवि जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष शर्मा, ओम जोशी, मदनलाल कहार, गौतम सिंह राजपूत, कवि शशिकांत यादव, भरत चौधरी, नवीन सोलंकी, अजय पडियार, बाली घोसी, राजेश यादव पह., नीतिन आहूजा (कालू बोस), महेश फुलेरी, अर्जुन चौधरी, राजा अकोदिया, शिवा पह. चौधरी, बहादुर मुकाती, संजय दायमा आदि थे। अतिथियो का स्वागत मोतियों की माला पहनाकर एवं भगवा दुपट्टा ओढ़ाकर आयोजक मनीष सेन, अजय अग्रवाल, प्रभात कल्याणे, सुमेर चावडा, मनोज गुप्ता, प्रमोद दादू कटारिया, महेश बोडाना, जीतु चौहान, अनिल वर्मा मावा, नीतिन नरवरिया, प्रवीण भावसार लाला, जीतु चौहान, कमलेश श्रीवास, संजय नागर, आशीष शर्मा, विजय जलोदिया, राजेन्द्र चावडा, विनय चावडा सहित समिति सदस्यों ने किया। विधायक श्रीमंत पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि यह पर्व हिन्दू धर्म का मुख्य त्यौहार है। संस्था हिन्द रक्षक कई वर्षो से यह आयोजन करती आ रही है जो कि हिन्दू संस्कृति और परम्परा को आगे बढ़ाता है। उक्त आयोजन की निरंतरता के लिए में आयोजन मनीष सेन को बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ कि आगे भी हिन्दू धर्म के अलख जगाने हेतु ऐसे आयोजन होते रहे। तत्पश्चात अतिथियो ने मंच से नन्हे बच्चो को 5001 पतंग, 3000 चकरी के 1 क्विंटल तिलगुड के लड्डूओं की प्रसादी का वितरण किया। कार्यक्रम के पूर्व सुमधुर भजनो व देशभक्ति के एक से बढ़कर से गीतो की प्रस्तुति भी कलाकारों द्वारा दी गई। स्वागत भाषण मनीष सेन ने दिया।

# चोरी की घटनाओं के विरोध में एसपी के साथ व्यापारियों की हुई बैठक

## चोरियों का शीघ्र खुलासा कर कड़ी कार्यवाही की मांग

**बैतूल।** शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया के मार्गदर्शन में व्यापारियों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें व्यापारियों ने शहर में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का विरोध करते हुए आक्रोश जताया और नियमित गश्त कर चोरियों में रोक लगाने के साथ जान माल की सुरक्षा की मांग की। व्यापारी संगठन कैट के प्रचार सचिव राजेश मदान ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियो को शहर में लगे सी सी टी वी कैमरों के प्वाइंट चेक करने और जहां आवश्यकता है, वहां जनप्रतिनिधियों एवं व्यापारियों के सहयोग से कैमरे लगवाने, मकान मालिक द्वारा किरायेदारों के पुलिस वेरिफिकेशन करवाने, 144 के आदेश के बाद फेरी कर व्यवसाय करने वाले बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों के प्रवेश पर निषेध करने, शाम 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक नियमित पेट्रोलिंग करने, रात्रि 10:30 से 11 के बीच चाय पान के ठेले बंद करवाने, रात्रि 12 बजे के बाद घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के बाद कड़ी कार्यवाही करने के साथ ही शहर में हुई चोरियों की घटनाओं पर शीघ्र जांच कर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यापारियों से अन्य व्यावसायिक समस्याओं के विषय में भी चर्चा की गई। जिनके निराकरण हेतु व्यापारियों से भी सुझाव मांगे गए। व्यापारी एसोशिएशन से अपने अपने क्षेत्र में सी सी टी वी कैमरों लगवाकर उसे पुलिस कंट्रोल रूम से जोड़ने के साथ अलग अलग मार्गो पर अधिकृत निजी सुरक्षा एजेंसियों के सुरक्षा गार्ड रखवाने का आग्रह किया। जिस पर व्यापारियों ने अपनी सहमति दी। इस मौके पर कैट के जिलाध्यक्ष मनोज भार्गव, अनाज एवं तिलहन व्यापारी संगठन के सचिव प्रमोद अग्रवाल, बैतूल जनरल एवं किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष बंटी मोटवानी, सचिव प्रवीण गुगनानी, सराफा एसोसिएशन के नवीन तातेड, ऑटोमोबाइल संघ के अध्यक्ष राजेश आहूजा, कपड़ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय पगारिया, राजेश मदान, कैट के सचिव दीपक खुराना, दवा व्यापारी संघ के दीपू सलूजा, श्रीचंद हिराणी, यूसुफ पटेल, लोकेश पगारिया, अशोक अग्रवाल, बिट्टू बोथरा सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

# पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से मिले नर्सिंग स्टूडेंट्स

## कहा- प्रवेश देने के बाद रद्द किए जा रहे; दिग्गी बोले- अधिकारियों से चर्चा करेंगे

**भोपाल (नप्र)।** नर्सिंग कॉलेजों में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को सैकड़ों नर्सिंग छात्र-छात्राएं सतपुड़ा भवन और पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के निवास पर पहुंचे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया में हो रही अनियमितताओं पर नाराजगी व्यक्त की।

छात्रों का आरोप है कि परीक्षा परिणाम घोषित होने और प्रवेश देने के बाद हजारों योग्य छात्रों के प्रवेश रद्द किए जा रहे हैं। दूसरी ओर एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

**पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने दिया समर्थन-** पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि

वह इस मुद्दे को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, छात्रों के साथ हो रहा अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

**एनएसयूआई छात्रों के इस संघर्ष में पूरी ताकत के साथ खड़ी है-** वहीं एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि, यह समस्या केवल नर्सिंग छात्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के साथ भी अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा और काउंसिलिंग के दौरान नियमों में बदलाव छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यह स्थिति नर्सिंग काउंसिल और चिकित्सा शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में गंभीर खामियां उजागर करती है। रवि परमार ने कहा, एनएसयूआई छात्रों के इस संघर्ष में पूरी ताकत के साथ खड़ी है।

**यह भी सवाल-** सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के प्रवेश रद्द किए जाने पर भी एनएसयूआई ने कड़ी आपत्ति जताई है। छात्रों का कहना है कि, परीक्षा के दौरान उन्हें शामिल किया गया। परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए गए और काउंसलिंग प्रक्रिया में भी उन्हें प्रवेश दे दिया गया लेकिन अब छात्रों के प्रवेश नियमों को हवाला देकर प्रवेश रद्द किए जा रहे हैं।

# आनंदा बाई देशमुख का निधन, अंत्येष्टी आज

**बैतूल।** राम नगर निवासी आनंद, अशोक, सुनील, अनिल देशमुख की माता जी एवं दैनिक मत मतांतर के संपादक बलवंत धोटे की सासु मां श्रीमती आनंदा बाई पति स्व. गुलाबराव देशमुख उम्र 80 वर्ष का निधन मंगलवार 14 जनवरी शाम 7.40 बजे से हो गया। स्व. आनंदा बाई का अंतिम संस्कार बुधवार 15 जनवरी को गंज स्थित मोक्षधाम में किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा उनके राम नगर स्थित निज निवास से सुबह 10 बजे निकाली जाएगी।

# मेहरा समाज ने एडिशनल एसपी से की शिकायत, सौंपा ज्ञापन

## कुल्हाड़ी से दो लोगों पर हुआ था प्राणघातक हमला

**बैतूल।** जिले के बोरदेही थाना के हरन्या गांव में 13 जनवरी को जातिगत दुर्भावना से मारपीट करने का गंभीर मामला सामने आया था, जिसमें मेहरा समाज के दो लोगों पर धारदार कुल्हाड़ी से हमला किया गया था। घटना के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस मामले में मध्यप्रदेश मेहरा समाज समिति के जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी के नेतृत्व में मेहरा समाज ने आज 14 जनवरी को एडिशनल एसपी से मिलकर ज्ञापन सौंपा और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी ने बताया कि हरन्या गांव में यदुवंशी समाज के लोगों द्वारा अनुसूचित जाति (मेहरा) के तीन परिवारों को लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि

यदुवंशी समाज के लोग, एक साजिश के तहत दलित परिवारों की चल-अचल संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। इसी के तहत, पूर्व ग्राम कोटवार खेमचंद उर्फ बबलू पंडोले और सुखदेव पिता टेनु मलांजपुरे को भवन यदुवंशी द्वारा शराब के नशे में धारदार कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर गंभीर घायल कर दिया। इस मामले में कई बार बोरदेही थाना में पहले भी शिकायत की गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि यह हमला जातिगत दुर्भावना का नतीजा है और इसका उद्देश्य गांव में दलितों को डराना और उनकी संपत्ति पर कब्जा करना है। मध्यप्रदेश मेहरा समाज समिति के सदस्यों ने कहा कि यदि आरोपी पर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो समाज के लोगों में भय का माहौल रहेगा। साथ ही उन्होंने मांग की है कि दोषियों पर दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई कर दलित परिवारों को सुरक्षित माहौल दिया जाए। इस घटना से हरन्या गांव में तनाव का माहौल है।

# नए वर्ष की पूर्णिमा से आरंभ हुआ बाबा मनसुखदास मेला

**बैतूल/शाहपुर।** नगर परिषद शाहपुर के सामने स्थित बाबा मनसुखदासजी का मेला 13 जनवरी से आरंभ हो गया है। इस मेले में सर्वप्रथम रामसत्ता प्रारंभ की गई है और लोगों ने दिनभर-रातभर बाबा मनसुखदासजी की पूजा अर्चना हर्ष के साथ पूरे भक्ति भाव से श्रद्धा पूर्वक कर विधिवत उन्हें नारियल गुड का प्रसाद अर्पण किया। जहां सभी ने अपने-अपने लोगों के स्वस्थ जीवन और अपने क्षेत्र की हरियाली, खुशियों भरी जिंदगी की कामना बाबा मनसुखदास से की। बाबा मनसुखदास मेला समिति सदस्यों ने और भी आकर्षक कार्यक्रमों की रूपरेखा, जैसे बैलगाड़ी पट प्रतियोगिता, कबड्डी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के बारे में बताया। पंडित सचिन परसाई शाहपुर ने बताया कि बाबा

मनसुखदास जी ने यहां पर जीवित समाधि ली थी। आदिकाल से बाबा मनसुखदास की पूजा अर्चना और इस समय मेला लगने की परम्परा विगत कई वर्षों से चली आ रही है। इसी दिन बाबा मनसुखदास के मंदिर के प्रांगण में कुछ भक्त, तुलादान के धार्मिक कार्य को भी बाबा की पूजा अर्चना करके करते हैं। उन्होंने बताया कि यह मेला 13 जनवरी 2025 से प्रारंभ होकर 27 जनवरी 2025 तक चलेगा।

## मकर संक्रांति पर आनंद उत्सव में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल हुए शामिल

**भोपाल।** मकर संक्रांति के अवसर पर अटल पार्क, रीवा में आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा वासियों के साथ इस उत्सव में भाग लिया और गिप्पी गेंद, साइकिलिंग तथा पतंगबाजी का आनंद लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। इसे उमंग और उल्लास के साथ मनायें।

## संक्रांति के अवसर पर आयोजित श्रोण महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए उप मुख्यमंत्री

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल आज देवलोंद (बाणसागर) में मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित श्रोण महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए द्य श्री शुक्ल ने स्थानीय रीतियों के अनुसार विभिन्न प्रयोजनों में सहभागिता करते हुए उपस्थित जनों को उत्तरायण पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर सीधी सांसद श्री राजेश मिश्रा, ब्यौहारी विधायक श्री शरद कोल, पूर्व राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल, रीवा नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय एवं अन्य स्थानीय जन उपस्थित रहे।

## उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा-व्यौहारी मार्ग में अमिलकी गांव में नहर पर 4 करोड़ रूपये की लागत से बनाये जा रहे लघु पुल का निरीक्षण किया तथा कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिये कि तत्परता से पूरी गुणवत्ता के साथ नियत समय सीमा में पुल का निर्माण कार्य पूरा करायें।

## 1.10 करोड़ की सरकारी जमीन से कब्जा हटाया

### भोपाल के भानपुर में कार्रवाई; जेसीबी की मदद से उखाड़ा रास्ता

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल में करीब 1.10 करोड़ रुपए कीमती सरकारी जमीन से जिला प्रशासन ने कब्जा हटाया। भानपुर इलाके में कार्रवाई की गई। जेसीबी की मदद से रास्ता उखाड़ दिया गया।

गोविंदपुरा एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में यह कार्रवाई हुई। जानकारी के अनुसार, ग्राम भानपुर स्थित शासकीय नजूल भूमि खसरा क्रमांक 93/1/1/1 रकबा 1.1852 हेक्टेयर के अंश भाग पर कच्चा रास्ता था, जिस पर कोपरा डालकर अतिक्रमण कर लिया गया था। इसे हटाने के लिए पहले कई बार नोटिस दिए गए, लेकिन कब्जा नहीं हटा तो मंगलवार को सख्ती की गई।

**पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई-** कार्रवाई के दौरान कोई हंगामा न हो, इसलिए भारी पुलिस बल तैनात था। इसके बाद नगर निगम की मदद से अफसरों ने कब्जा हटा दिया।

## संगम टॉकीज चौराहे पर ई-रिक्शा-कार की भिड़ंत

### एक बाइक सवार भी चपेट में आया, 2 की हालत गंभीर

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के संगम टॉकीज चौराहे के पास सोमवार करीब 11 बजे कार और ई- रिक्शा की टक्कर हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ई -रिक्शा स्टेशन की तरफ से संगम टॉकीज जा रहा था। तभी एक संगम टॉकीज से ब्रिज की तरफ आती हुई कार और ई -रिक्शा की आमने×सामने की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत के बाद ई- रिक्शा पीछे की तरफ खिसककर एक बाइक से भी टकरा गया। इसके चलते ई-रिक्शा चालक हिदायत उल्ला और बाइक सवार फैजान खान दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को पुलिस ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में पत्रकारिता एवं जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया।

## 'नर्मदा मैया सेवा आश्रम' मांगरोल पर राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने मनाया मकर संक्रांति पर्व

### उदयपुरा विधानसभा के नागरिकजनों के साथ राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने धूमधाम से मनाया मकर संक्रांति पर्व

**बरेली।** मध्यप्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने मंगलवार को मकर संक्रांति का पावन पर्व उदयपुरा विधानसभा के नर्मदा मैया सेवा आश्रम, मांगरोल में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि मकर संक्रांति का यह पर्व हमें अपनी परंपराओं और संस्कृति से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। यह दिन दान, सेवा और परोपकार का प्रतीक है। भगवान भास्कर की आराधना से हमें ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। मैं भगवान भास्कर से प्रार्थना करता हूँ कि सभी के जीवन में सुख, शांति और

समृद्धि का संचार हो। श्री पटेल ने नर्मदा मैया की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझते हुए समाधान का आश्वासन दिया। श्री पटेल ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। मांगरोल घाट पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने मकर संक्रांति पर्व की खुशियाँ साझा कीं।

## मकर संक्रांति हमारी परंपराओं का प्रतीक : सबनानी

### मनुआभान की टेकरी पर सिंधी समाज का पतंग महोत्सव

**भोपाल।** भारतीय सिंधु सभा एवं सिंधी मेला समिति ने मकर संक्रांति का पर्व मनुआभान की टेकरी मनाया। सिंधी समाज के उत्सवी समागम में पतंगों के पेंच लगे। तिल गुड के लड्डू खिलाकर एक दूसरे को पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में विधायक भगवान दास सबनानी और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने अतिथि के रूप में उत्सव में भागीदारी की।

महोत्सव में बच्चों, युवा, बुजुर्गों और महिलाओं ने खूब पतंग उड़ाई। महिलाओं, बच्चों के लिए कई प्रकार की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। इसके अलावा टेकरी पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क पौधों का वितरण किया गया। सबनानी ने कहा कि मकर संक्रांति हमारी परंपराओं और संस्कारों का प्रतीक है। इस तरह के आयोजनों से हमें अपनी संस्कृति को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों तक भारतीय संस्कृति को पहुंचाने में मदद मिलती है।

**यह मौजूद रहे-** इस अवसर पर भारतीय सिंधु सभा के अध्यक्ष हरीश चांदवानी, महासचिव राम आसूदानी, उपाध्यक्ष हरीश मेघानी सहित सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी महासचिव नरेश तलरेजा, अशोक माटा, नरेश गिदवानी सहित अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## एम्स भोपाल में विविधता में एकता का उत्सव का आयोजन

**भोपाल।** एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान अपने वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'रेटिना-7.0' का आयोजन 15 से 19 जनवरी 2025 तक करने जा रहा है। यह महोत्सव रचनात्मकता, खेलभावना और संस्कृति का उत्सव है, जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताएँ और शानदार प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। रेटिना महज एक सांस्कृतिक महोत्सव नहीं है बल्कि, यह भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने का उत्सव है। एम्स भोपाल एक ऐसा स्थान है जहां छात्र, भारत के विभिन्न क्षेत्रों से, विभिन्न आयु समूहों से और विभिन्न समुदायों से आते है और एक छत के नीचे रहते हैं। ऐसे में यह महोत्सव मिनी-इंडिया की भावना को मूर्त रूप देता है, जहां देश के हर कोने से छात्र एकत्र होते हैं और विकास, सीखने और आनंद का साझा अनुभव करते हैं। इस महोत्सव में कई रोचक और रोमांचक कार्यक्रम शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख प्रोग्राम जैसे रैपर नाइट, डीजे नाइट, सूफी नाइट, और बॉलीवुड नाइट शामिल हैं। ये प्रोग्राम दर्शकों को पूरी रात नाचने और गाने के लिए प्रेरित करेंगे। इसके अलावा, रेटिना महोत्सव में विभिन्न कार्यशालाएँ, प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी, जहां छात्र अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित कर सकेंगे और नए कौशल सीखने का अवसर मिलेगा।

प्रो. सिंह ने इस सांस्कृतिक महोत्सव के महत्व बताते हुए कहा, रेटिना सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो देश के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तियों को एक साथ लाता है। यह विविधता में एकता की सच्ची भावना को प्रदर्शित करता है, जहां विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग एकजुट होकर प्रतिभा, खेलभावना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का जश्न मनाते हैं।

## लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के 300वें जयन्ती वर्ष पर शोधपत्र सम्मेलन

**भोपाल।** लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयन्ती वर्ष के अवसर पर भोपाल में शोधपत्र सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोकमाता के कृतित्व पर गहन अनुसंधान और विचार-विमर्श करना है। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के हाथों शोधपत्र के पोस्टर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रवेश एवं शुल्क निर्धारण समिति के अध्यक्ष रविन्द्र कान्हेरे, शिक्षाविद प्रकाश बरतूनिया, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. एस के जैन, अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. खेमसिंह डहेरिया, सांची विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बैद्यनाथ लाभ, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग से डॉ. विश्वास चौहान जी, डॉ. सचिन तिवारी जी एवं कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अमिताभ सक्सेना जी विशेष रूप से उपस्थित थे। सम्मेलन में लोकमाता पर केंद्रित पांच प्रमुख विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं, जिनमें न्यायप्रियता और प्रशासनिक दक्षता, पंच परिवर्तन से लोककल्याण, सांस्कृतिक पुनर्निर्माण से राष्ट्रजागरण, नारी स्वाभिमान-जागरण से समाज उत्थान और सामाजिक कुरीतियों को चुनौतियों और उनका समाधान शामिल हैं।

### बाबा साहेब को जो वर्ग भगवान मानता है, अमित शाह ने संसद में उसका अपमान किया

## अमित शाह को माफी मांगना पड़ेगी : जीतू पटवारी

**भोपाल।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आज देवास जिले के कन्नौद, बागली और हाटपिपल्या विधानसभा क्षेत्रों में संगठनात्मक चर्चा एवं आगामी 27 जनवरी 2025 को डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जन्मस्थली महूं में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी, सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी जी सहित देश-प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान रैली की तैयारियों को लेकर स्थानीय कांग्रेसजनों की बैठक ली।

श्री पटवारी ने देवास जिले के प्रवास के दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि हर मंगलवार समय मांगता हूं, मैं किसानों के दर्द और उनकी पीड़ा को लेकर आपके पास आना चाहता हूं, लगातार 18 मंगलवार हो गये हैं, पर आप समय नहीं दे रहे हैं। आपने 2700 गेहूं, 3100 धान, 6000 सोयाबीन और 24 घंटे बिजली देने का किसानों से वादा किया था। मप्र के 80 प्रतिशत किसान आज कर्ज में है। पूरे देश में सिंधु वॉडर पर एमएसपी की गारंटी को लेकर किसानों की हड़ताल चल रही है। शिवराज जी आप फोटो सेसन करते हैं, प्रदेश में झूठ बालेकर गये और अब देश में झूठ बोल रहे हैं। अब दिल्ली के चुनाव में भी किसानों से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार द्वारा किसानों की ऋणमाफी योजना को आपने अधूरी क्यों छोड़ दी? शिवराज जी, वॉडर पर जो किसान मर रहे हैं उनकी सुध ले। शिवराज जी अगले मंगलवार के दिन मिलने का समय दें।

श्री पटवारी ने कहा कि संसद में अमित शाह ने बाबा साहेब का जो अपमान किया, मखौल और उनका मजाक उड़ाया यह देश के संविधान के साथ मजाक है, उस वर्ग के साथ भद्दा मजाक हैं जो बाबा साहेब को अपना भगवान मानता है। वीडी शर्मा की संक्षिप्त सोच, मीडिया का उपयोग करके अपने पापों को छुपाना भाजपा की ओछी मानसिकता का परिचायक है। भाजपा अपने काले कारनामों को छुपाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा उल्टे-सीधे फोटो बनाकर जनता को भ्रमित करती है, पर जनता सब जानती है। अमित शाह को देश की जनता से माफी मांगना ही पड़ेगी।

श्री पटवारी ने अपने प्रवास के दौरान कांग्रेसजनों से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का आव्हान किया। साथ ही श्री पटवारी ने प्रदेश के एक-एक कार्यकर्ता से आव्हान किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की अगुवाई में संविधान की रक्षा के लिए आगामी 27 जनवरी को अंबेडकर जी की जन्मस्थली महूं से प्रारंभ होने वाले जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

इस दौरान श्री पटवारी ने पंतग उड़ाकर मकर संक्राति का त्यौहार मनाकर प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए कहा कि पतंगों की उड़ान हो, खुशियों की पहचान हो, मकर संक्राति पर हर दिल में उल्लास और उत्साह हो। विधानसभा क्षेत्रों के बैठकों में जिला अध्यक्षगण, ब्लाक अध्यक्ष, विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजन शामिल रहे।

## जिस आईएएस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव, उसे सरकार ने हटाया

### भोपाल निगम में अपर आयुक्त को ग्वालियर भेजा; कई जरूरी विभाग पास थे

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल नगर निगम के बीजेपी और कांग्रेस पार्षदों ने जिस आईएएस के खिलाफ मीटिंग में निंदा प्रस्ताव पास किया, उसे सरकार ने हटा दिया है। अपर आयुक्त निधि सिंह को सरकार ने संयुक्त आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त ग्वालियर बनाया है। मंगलवार को सिंह का सिंगल आदेश जारी हुआ।

नगर निगम परिषद की मीटिंग 13 दिसंबर को हुई थी। इसमें अपर आयुक्त सिंह के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पेश किया गया था। बैठक में उनके खिलाफ विपक्ष और सत्ता पक्ष ने काम में लापरवाही, जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनने, मोबाइल कॉल नहीं उठाने और फाइलें अटकाने की शिकायतें की थी। इसके चलते परिषद की बैठक में उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया था।

नगर निगम परिषद की मीटिंग 13 दिसंबर को हुई थी। इसमें अपर आयुक्त के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया गया था।

**पिछले साल हुई थी पदस्थ-** निधि सिंह 2019 बैच की आईएएस हैं। निगम कमिश्नर के बाद सीनियरटी में वे ही आगे थी। उन पर आरोप है कि वे बीजेपी और कांग्रेस पार्षदों को ज्यादा तवज्जो नहीं देती थीं।

## भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने संविधान गौरव अभियान के तहत

### भोपाल के ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं से संवाद किया

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने संविधान गौरव अभियान के तहत मंगलवार को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का कांग्रेस और विपक्षी दलों ने तिरस्कार किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी संविधान को जी रहे हैं। प्रधानमंत्री जी और भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों का भारत बनाने का कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी और भाजपा संविधान को आत्मसात कर देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जा रहे हैं। बाबा साहब ने गरीबों के उत्थान का सपना देखा था, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी उसी सपने को पूरा करने के लिए अंत्योदय के तहत गरीबों को घर, भोजन, पीने के स्वच्छ जल और इलाज की सुविधा मुहैया करा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी बाबा साहब के बनाए संविधान को जीवन में उतारकर उसे प्रतिदिन जी रहे हैं और गरीबों, दलितों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम को अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने भी संबोधित किया।

**प्रधानमंत्री जी दलितों, आदिवासियों व गरीबों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं-** भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री हर जाति, धर्म व संपद्राय के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। दलितों, आदिवासियों व गरीबों के उत्थान के लिए कई योजनाएं संचालित की हैं। आजादी के बाद वर्षों तक

शासन करने वाली पार्टी ने गरीबों के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले दस वर्षों में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से बाहर लाने का कार्य किया है। बाबा साहब ने गरीबों के उत्थान का सपना देखा था, प्रधानमंत्री जी ने उनके सपने को पूरा करने के लिए गरीबों को पक्के मकान देने पीएम आवास योजना बनाई। इस योजना के तहत देश के करोड़ों लोगों को पक्का मकान मिला। गरीबों के निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान योजना लागू की। 80 करोड़ से अधिक गरीबों को निः शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। पीने के लिए स्वच्छ पानी पहुंचाने जल जीवन मिशन जैसी योजना बनाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया व मेक इन इंडिया चला रहे हैं। इन योजनाओं ने लोगों को प्रशिक्षण के साथ देश में रोजगार और स्वरोजकार के लाखों अवसर पैदा हो रहे है, जो गरीबी मिटाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

**मोदी जी बाबा साहब की मंशा अनुसार हर गरीब को उसका हक व सम्मान दिला रहे हैं-** भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने हर गरीब को उसका हक और सम्मान दिलाने के पक्षधर थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी हर गरीब को उसका हक और सम्मान दिलाने का कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री जी देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानकर सेवा कर रहे हैं। उन्होंने देश की जनता को कभी जाति, धर्म और सम्प्रदाय के आधार पर नहीं देखा। पूरे देश को अपना परिवार मानकर कल्याणकारी योजनाएं चलाते हैं। प्रधानमंत्री जी हम सब एक हैं के ध्येय वाक्त को लेकर कार्य कर रहे हैं। कांग्रेस नेता व तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था कि मैं दिल्ली से गरीबों के लिए एक रूपए भेजता हूं लेकिन उनके पास 15 पैसे ही पहुंचते हैं, बाकी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के गरीबों का निःशुल्क बैंक खाता खुलवाने का निर्णय लिया, लोगों ने तरह-तरह की बातें की। प्रधानमंत्री जी ने 52 करोड़ गरीबों के जीरो पैसे पर बैंक खाते खुलवाए। आज उन्हें बैंक खातों में डीबीटी के जरिए प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी व हितग्राही योजनाओं का लाभ सीधे बैंक खाते में पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री जी ने प्रयागराज कुंभ में स्वच्छता प्रहरियों के पैर धोए थे। अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर निर्माण में लगे मजदूर भाई-बहनों का सम्मान किया था। प्रधानमंत्री जी के कार्य दर्शाते हैं कि भाजपा और प्रधानमंत्री जी गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्री पंकज टेकाम, प्रदेश मीडिया प्रभारी इंजीनियर सूरज खरे, मंचासीन रहे।

॥ मंदिरम् ॥ 12

## पंचलिंगेश्वर महादेव मंदिर, मध्यप्रदेश

*अलीराजपुर (मध्यप्रदेश) से क़रीब 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 900 साल से ज्यादा पुराना प्राचीन पंचलिंगेश्वर महादेव मंदिर। अपनी अद्भुत स्थापत्य कला की वजह से यह मंदिर ख़ासा विख्यात है। इस मंदिर में एक ही पत्थर पर पाँच शिवलिंग बने हैं इसीलिए इसे पंचलिंगेश्वर शिवलिंग कहा जाता है। इस मंदिर को लेकर कई कथाएँ और किवदंतियाँ प्रचलित है। जब मैंने इस मंदिर के बारे में स्थानीय व्यक्तियों से चर्चा किया तो उन्होंने बताया कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग चमत्कारिक है, मान्यता है कि यहाँ पूजन कर दर्शन करने से सारी मनोकामनाएँ पूर्ण होती है। वहीं यह मंदिर अपनी पाषाण शैली के लिए भी काफ़ी प्रसिद्ध है। इसकी शैली खजुराहो के मंदिरों एवं हिमाचल के बैजनाथ मंदिर से मिलती जुलती है। पत्थरों पर हाथ से नक़्क़ाशी कर इस मंदिर का निर्माण किया गया है, जिसमें इसी मंदिर की संपूर्ण आकृति के ही छोटे-छोटे मंदिर उकेरे गए हैं तथा इनमें प्राचीन देवी-देवताओं की आकृतियां भी शामिल है। स्थानीय लोग इसे पांडवकालीन मंदिर भी बताते हैं, कहा जाता है कि अपने वनवास के दौरान पांडवों ने इस मंदिर का निर्माण किया था। इस प्राचीन मंदिर में एक ही पत्थर पर बने हैं पांच शिवलिंग, जुड़ी है कई धार्मिक मान्यताएं हैं।*

# मकर संक्रांति पर महाकाल को लगा तिल-गुड़ का भोग

## शिप्रा-नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं ने किया स्नान

**भोपाल/उज्जैन/नर्मदापुरम (नप्र)।** मकर संक्रांति पर्व पर मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी और शिप्रा नदी के घाटों पर सुबह से भी श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। उज्जैन में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने दान-पुण्य किया और भगवान महाकाल का आशीर्वाद भी ले रहे हैं।

महाकाल मंदिर के पंडित महेश पुजारी ने बताया कि, भगवान महाकाल को तिल के तेल से स्नान कराने और तिल्ली के पकवानों का भोग लगाया गया। भगवान को गुड़ और शक्कर से बने तिल के लड्डुओं का भोग लगाकर जलाधारी में भी तिल्ली अर्पित की।

इसके साथ ही नर्मदापुरम, आंवलीघाट,मंडला, खरगोन, खंडवा, जबलपुर, मंडला और छिंदवाड़ा में भी श्रद्धालु नर्मदा स्नान कर भगवान की पूजा-अर्चना कर रहे थे। छिंदवाड़ा के गर्म कुंड में स्नान कर लोगों ने कुंडेश्वर भोलेनाथ की पूजा की।

नर्मदापुरम में सूर्य की उपासना का महापर्व मकर संक्रांति मंगलवार को मनाया गया। इस वर्ष महाकुंभ होने से मकर संक्रांति स्नान के लिए प्रदेश के कई जिलों से हजारों श्रद्धालु नर्मदा नदी में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे थे।

कड़कड़ाती ठंड में तड़के 4.30 बजे से स्नान शुरू हो गया, हर-हर नर्मदे के जयकारे के साथ श्रद्धालु नर्मदा में डुबकी लगा रहे है।

सेठानी घाट, विवेकानंद घाट समेत सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा है। स्नान करने के लिए एक दिन पहले ही घाटों पर भक्त पहुंचना शुरू हो गए थे। इसे देखते हुए प्रशासन और पुलिस जवान हर घाटों पर सुरक्षा के लिहाज से मौजूद थे।

इंदौर के नेहरू स्टेडियम में पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया है। यहां कई लोग पतंगबाजी का आनंद ले रहे हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हार्डिया ने भी पतंगबाजी, सितोलिया और गिल्ली डंडे के खेल का मजा लिया। भोपाल में मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया। यहां पतंगबाजी भी हुई।

संक्रांति पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर होता है। मकर संक्रांति के पर्व काल पर सामान्यतः चावल, हरी मूंग की दाल की खिचड़ी, पात्र, वस्त्र, भोजन आदि वस्तुओं का दान अलग-अलग ढंग से करने की परंपरा भी है।

## संतरे के बगीचे में चल रही थी ड्रग फैक्ट्री

### मंदसौर में मकान को बना रखा था लैब; खुदाई कर निकाला गया एमडीएमए बनाने का केमिकल

**मंदसौर (नप्र)।** मंदसौर जिले में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने संतरे के बगीचे के बीच छिपी एमडीएमए ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। गरोठ तहसील के खारखेड़ा गांव के पास स्थित इस फैक्ट्री से सोमवार को भारी मात्रा में ड्रग बनाने का केमिकल जब्त किया गया है। सीबीएन ने सोमवार देर रात प्रेस नोट जारी कर कार्रवाई की जानकारी दी।

सीबीएन अधिकारियों ने बताया कि फैक्ट्री दुर्गम क्षेत्र में थी, जहां वाहनों की पहुंच मुश्किल है। टीम पैदल चलकर ही मौके तक पहुंची। वहां संतरे के बगीचे के बीच एक मकान को लैब में तब्दील किया गया था। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने बताया कि ड्रग बनाने का केमिकल खेत में दबाया गया है। इसके बाद टीम ने खुदाई कर 80 किलो केमिकल बरामद किया।

## मैहर में सड़क दुर्घटना के बाद हवाई फायरिंग

### कार सवारों ने की ट्रक चालक की पिटाई; फिर चलाई गोली, पिस्टल और ट्रक जब्त

**मैहर (नप्र)।** मध्य प्रदेश के मैहर में गोरसरी घाट पर सोमवार शाम एक सड़क दुर्घटना के बाद झड़प हो गई। जबलपुर निवासी समर्थ जैन अपने परिवार और मित्रों के साथ सरसी टापू से लौट रहे थे, जब उनकी कार को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि न केवल ट्रक चालक की पिटाई की गई, बल्कि हवाई फायरिंग भी हुई।

गोरसरी घाट से गुजरते समय ट्रक ने समर्थ जैन की कार को पीछे से टक्कर मारी। घटना के बाद ट्रक चालक संजय केवट वाहन लेकर मौके से भाग निकला। समर्थ जैन और उनके साथी ट्रक का पीछा करते हुए अमरपाटन के बाहरी इलाके तक पहुंचे।

### ट्रक चालक की पिटाई और हवाई फायरिंग

पेट्रोल पंप के पास ट्रक को रोकने के बाद, समर्थ जैन और उनके तीन साथियों ने ट्रक चालक को नीचे उतारकर उसकी पिटाई की। जब पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग विवाद को शांत कराने की कोशिश कर रहे थे, तब समर्थ जैन ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग से मौके पर दहशत फैल गई।

### पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पुलिस को सूचना मिलते ही अमरपाटन थाना प्रभारी के पी त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले जाकर पूछताछ की। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

# आनंद उत्सव में बिखरेंगी खुशियां, हर चेहरे पर होगी मुस्कान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मकर संक्रांति से 28 जनवरी तक प्रदेश के हर गांव और शहर में होगा उत्सव

- प्रतिस्पर्धा नहीं सहभागिता है आनंद उत्सव की मूल भावना
- भारतीय परम्परा में आनंद की अवधारणा पर केंद्रित होंगी गतिविधियां

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मकर संक्रांति से 28 जनवरी तक प्रदेश के हर गांव और शहर में आनंद उत्सव मनाया जाएगा। डॉ. यादव ने सभी ओर खुशियां बिखरने और हर चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई इस पहल में सभी प्रदेशवासियों से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण राज्य सरकार का प्रण है। लोक-संस्कृति में रची-बसी गतिविधियों का सामुदायिक स्तर पर संचालन जीवन में आनंद का संचार करता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण प्रदेश में आनंद उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नागरिकों में सहभागिता और उत्साह को बढ़ाने के लिए हर गांव और शहर में समूह स्तर पर परंपरागत खेल और संस्कृति से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आनंद उत्सव की मूल भावना प्रतिस्पर्धा नहीं सहभागिता है।

### आनंद और प्रसन्नता का संचार जीवन को परिपूर्ण बनाने के लिए आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों की मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक उन्नति और प्रसन्नता, प्रदेश के विकास और खुशहाली के लिए आवश्यक है। आधारभूत आवश्यकताओं तथा अधोसंरचना की उपलब्धता के साथ आनंद और प्रसन्नता का संचार जीवन को परिपूर्ण बनाने के लिए जरूरी है। सांस्कृतिक आयोजन तथा खेल, व्यक्ति की मानसिक-शारीरिक और भावनात्मक सकुशलता बढ़ाने के मुख्य कारक हैं। आनंद उत्सव का आयोजन इन्हीं तथ्यों के आधार पर किया जा रहा है। इसके अंतर्गत होने वाली गतिविधियां, भारतीय परम्परा में आनंद की अवधारणा पर केन्द्रित होंगी।

### आनंद उत्सव में दिव्यांगों और बुजुर्गों के अनुकूल भी होंगी गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आनंद उत्सव में प्रमुख रूप से स्थानीय तौर पर प्रचलित परंपरागत खेल-कूद जैसे कबड्डी, खो-खो, बोरा रेस, पिट्ठू, सितोलिया, नीबू दौड़ आदि होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन, कीर्तन, नाटक तथा स्थानीय स्तर पर तय अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। आनंद उत्सव का आयोजन इस तरह होगा, जिससे गतिविधियों में समाज के सभी वर्गों जैसे महिला-पुरुष, सभी आयु वर्ग के नागरिक, दिव्यांग आदि शामिल हो सकें। उत्सव में 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला/पुरुषों, दिव्यांगों और बुजुर्गों की विशेष सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उनके अनुकूल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

### आयोजन में शासकीय अमले के साथ स्वयंसेवी संस्थाएँ भी होंगी सहभागी

राज्य आनंद संस्थान और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं, जन-प्रतिनिधि और राज्य आनंद संस्थान के स्वयं-सेवकों की सक्रिय सहभागिता से हो रहे आनंद उत्सव के आयोजन में ग्राम स्तर पर पंचायतें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। जनपद, अनुविभाग और जिलास्तर पर अधिकारियों को आवश्यक समन्वय का दायित्व सौंपा गया है।

## एमपी में नकली लिक्विड यूरिया की फैक्ट्री में रेड

### आरोपी ने दिल्ली में सीखी टेक्निक; लागत 30 रुपए, ब्रांडेड कंपनियों के नाम से बेचता था

**मुलताई (नप्र)।** बैतूल जिले के मुलताई में पुलिस ने नकली लिक्विड यूरिया बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारा। यहां ब्रांडेड कंपनियों की असली बाल्टी में नकली लिक्विड यूरिया भरकर कई गुना कीमत पर बेचा जा रहा था। पता चला है कि एक बाल्टी में 15 लीटर यूरिया बनाने में करीब 30 रुपए लागत आती थी। इसे बाजार में 1300 रुपए में बेचा जाता था।

इसका खुलासा तब हुआ, जब पुलिस ने सोमवार शाम 7 बजे छापा मारा। यहां से पुलिस ने यहां से आरओ मशीन, मिक्सर मशीन, 2 हजार लीटर लिक्विड यूरिया, 200 से अधिक कंपनियों की बाल्टियां और खाद की आठ बोरियां जब्त की हैं। पुलिस ने फैक्ट्री भी सील कर दिया है। फैक्ट्री के संचालक एजाज खान को भी गिरफ्तार किया है।नैनो लिक्विड यूरिया फैक्ट्री का संचालक एजाज ने पुलिस को पूछताछ में फर्जीवाड़े के बारे में जानकारी दी।

**डुप्लीकेट पैकिंग कर मार्केट में बेचता था-** आरोपी खान ने नकली लिक्विड यूरिया बनाने की टेक्निक दिल्ली में जाकर सीखी थी। उसके बाद मुलताई आकर उसने फैक्ट्री खोली थी। उसने बताया कि नकली लिक्विड यूरिया बनाने की तकनीक सीखने के बाद वह नकली लिक्विड यूरिया बनाकर बड़ी-बड़ी कंपनियां की डुप्लीकेट पैकिंग कर इसे मार्केट में बेचता था। एक दिन में लगभग 1 हजार लीटर यूरिया की खपत हो रही थी। एक बोरी यूरिया से लगभग 1 हजार लीटर लिक्विड बन जाता है

**हर कंपनी का लिक्विड यूरिया बेच रहा था आरोपी-** नकली लिक्विड यूरिया फैक्ट्री का संचालक एजाज खान टाटा, आयसर सहित अन्य बड़ी-बड़ी कंपनियां की नकली पैकिंग कर यूरिया बेच रहा था। जो कि रू. 1300 में 15 लीटर की बॉल्टी भरकर यूरिया बेचा जा रहा था, जबकि 15 लीटर यूरिया बनने में मात्र 25 से 30 रुपए का खर्च आ रहा था। यह अवैध धंधा लंबे समय से चल रहा था।

**क्या है लिक्विड यूरिया-** लिक्विड यूरिया का इस्तेमाल डीज़ल इंजन वाले वाहनों में होता है। यूरिया, डीज़ल इंजन में मौजूद नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स) को कम करने का काम करता है।

## युवक ने प्रेमिका को सीने में गोली मारी

### टीकमगढ़ के रेस्टोरेंट में बात करने बुलाया था; देसी कट्टा जब्त

**टीकमगढ़ (नप्र)।** टीकमगढ़ के रेस्टोरेंट में युवक ने युवती को गोली मार दी। युवती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे झांसी रेफर कर दिया गया है।

वारदात मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे की है। 23 वर्षीय युवती सिविल लाइन रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में 24 वर्षीय कपिल तिवारी के साथ बैठी थी। बातचीत के दौरान उनकी बहस हुई और कपिल ने फायर कर दिया। गोली युवती के सीने में लगी।

मौके पर मौजूद लोगों ने कपिल को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने देसी कट्टा जब्त कर उसे हिरासत में ले लिया है।

**शादी करने की बात पर कहासुनी-** एसपी मनोहर मंडलोई ने कहा, प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग था। कुछ दिन से दोनों की बातचीत बंद थी। इसी को लेकर कपिल ने युवती को मिलने बुलाया था। इसी दौरान शादी करने की बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपी ने 315 बोर के देसी कट्टे से युवती के सीने में गोली मार दी।

**कोतवाली में इकट्ठा हुए लोग-** घटना की सूचना मिलते ही एसपी मनोहर मंडलोई पुलिस बल के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और पीड़िता के परिजन से मुलाकात की। उधर, जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में कोतवाली परिसर में इकट्ठा हो गए। स्थिति देखते हुए कोतवाली के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

**आईसीयू में किया प्राथमिक इलाज-** टीकमगढ़ जिला अस्पताल में डॉ. दिनकर राठौर ने बताया कि युवती के लेफ्ट साइड काले कलर का गोल निशान था, जिसको हम गन शॉट कहते हैं। काफी मात्रा में खून बह गया था। उसे आईसीयू में भर्ती किया गया। प्राथमिक इलाज के बाद सीनियर डॉक्टर्स ने बेहतर इलाज के लिए झांसी रेफर कर दिया।

# राजगढ़ में इंस्टाग्राम पर लाइव आकर सुसाइड

## वीडियो में युवक बोला- पत्नी ने मेरी जिंदगी खराब कर दी; जमीन-जायदाद सब बिकवा दी

**राजगढ़ (नप्र)।** मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में पत्नी के छोड़कर जाने से दुखी एक युवक ने रविवार को ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। जीरापुर के झाड़मऊ के रहने वाले बालमुकुंद वर्मा ने सुसाइड से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उसने अपनी मौत की वजह बताई। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है।

वो कह रहा है- मैं आत्महत्या कर रहा हूं, मेरी पत्नी ने मेरी जिंदगी खराब कर दी। मेरी जमीन, प्लॉट और मेरी जायदाद बिकवा दी। अब वो मुझे छोड़ कर दूसरे व्यक्ति के साथ रह रही है। वीडियो में बालमुकुंद ने अपने साथ हुए अन्याय का जिक्र करते हुए भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद से न्याय की गुहार लगाई। रविवार शाम को वीडियो अपलोड करने के फौरन बाद वो ट्रेन के सामने कूद गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को उसकी मौत हुई।

युवक के परिजन ने बताया कि पत्नी के व्यवहार से वह काफी समय से मानसिक तनाव में था। पुलिस सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो और उसमें लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। इलाज के दौरान बालमुकुंद ने सोमवार को दम तोड़ दिया।

**मदद के लिए नहीं पुकारा, वीडियो बनाता रहा-** ट्रेन से टकराकर वो नदी के पुल पर बने ट्रॉली गार्ड में गिर गया था। उसने मदद के लिए पुकारने की बजाय लगातार वीडियो शूट किया। अपने स्टेटस पर वीडियो डाला। पुलिस पहुंची, तब बालमुकुंद नीचे गिरा हुआ था और पूरी तरह से भीगा था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है, ट्रेन की टक्कर के बाद भी जान बची तो आत्महत्या करने नदी में कूदा होगा।

### पुल पर बनाया वीडियो, ट्रेन के सामने कूदा था

जानकारी के मुताबिक बालमुकुंद वर्मा निजी स्कूल बस में हेल्पर था और अपनी पत्नी के साथ पचोर में रहता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी पत्नी किसी सुरेश नाम के व्यक्ति के साथ लसुड़िया जाकर रहने लगी। उसने मनाना भी चाहा, लेकिन वह लौटकर नहीं आई। इसके बाद से ही बालमुकुंद दुखी रहता था।

रविवार शाम को वह अपने घर बलबट पुरा कॉलोनी से बाइक से नेवज नदी के पुल पर गया। बाइक खड़ी कर उसने वीडियो बनाया। इसी दौरान आई इंदौर-कोटा ट्रेन से टकरा गया। ट्रेन पायलट ने हादसे की सूचना पचोर स्टेशन को दी।